राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,14 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–317 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू–कश्मीर में 2022 में मारे गए 56 विदेशी आतंकी

जम्मू–कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में इस साल यानी 2022 में सुरक्षा बलों ने 56 विदेशी आतंकियों को मार गिराया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, छ्तक्क दिलबाग सिंह ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादी रैंकों में शामिल होने वाले 102 स्थानीय युवाओं में से 86 का भी सफाया कर दिया।

आतंकवादी संगठन, पाकिस्तानी खुफिया ISI और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली एजेंसियों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। इस तरह के फरमान जारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस साल सुरक्षा बलों ने सबसे ज्यादा आतंकियों को मार गिराया है।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों पर सख्त कार्रवाई

सिंह ने कहा कि जो लोग आतंकवाद का रास्ता चुनते हैं, उनका जीवन बहुत छोटा होता है। युवाओं आतंकवाद नहीं बल्कि शांति और समृद्धि का रास्ता अपनाना चाहिए। आतंकवाद अब आखिरी चरण में है। आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इनसे जुड़े ब्लॉग और वेबसाइट हमारी निगरानी में हैं। उनके खिलाफ FIR दर्ज की गई है।

डरने की जरूरत नहीं आतंकवाद का खात्मा होगा

उन्होंने कहा कि डरने की जरूरत नहीं है। यह उन लोगों की एक नियमित साजिश है जो शांति नहीं चाहते हैं और इससे नाखुश महसूस करते हैं। हम इस तरह की धमकी देने में शामिल सभी संगठनों को खत्म कर देंगे। सुरक्षा को लेकर सिंह ने कहा कि हम हर तरह की सावधानी बरत रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हर जगह सब कुछ ठीक होगा। हमारी सुरक्षा में कोई खामी नहीं होगी।

आतंकवाद से निपटने के लिए सीमा बल सतर्क है-सिंह ने कहा कि सीमा पार प्रशिक्षण शिविरों में अभी भी लोग हैं।

श्री काशी विश्वनाथ धाम : पहले ही साल भक्तों ने चढ़ाया 100 करोड़ से अधिक का चढ़ावा

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम ने अपने पहले ही साल में चढ़ावे के सभी रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। मंगलवार को धाम के लोकर्पण की पहली वर्षगांठ है। पहली वर्षगांठ पर मंदिर में सुबह से हवन पूजन और विविध धार्मिक कार्यक्रम हो रहे है। मंदिर प्रशासन की ओर से शाम को रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। वहीं,बीते एक साल में देश-दुनिया से श्रीकाशी विश्वनाथ दरबार के दर्शन के लिए आये शिवभक्तों ने दिल खोलकर बाबा के दरबार में नकदी, सोना, चांदी और अन्य धातुओं का चढ़ावा चढ़ाया है। मंदिर प्रशासन के आंकलन के अनुसार चढ़ावे का कुल मूल्य 100 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का है।

सोना, चांदी से भरा बाबा का दरबार

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि धाम के लोकार्पण से अब तक श्रद्धालुओं द्वारा लगभग 50 करोड़ से अधिक की नकदी दान की गयी है। इसमें से 40 प्रतिशत धनराशि आनलाइन सुविधाओं के उपयोग से प्राप्त हुई है। वहीं श्रद्धालुओं द्वारा लगभग 50 करोड़ से अधिक की बहुमूल्य धातु (60 किलो सोना, 10 किलो चांदी और 1500 किलो तांबा) भी है। आस्थावानों द्वारा दिये गये सोना व तांबे का प्रयोग करके गर्भगृह की बाहरी एवं आंतरिक दीवारों को स्वर्ण मंडित किया गया है। अधिकारी के अनुसार 13 दिसम्बर, 2021 से लेकर अबतक श्रद्धालुओं द्वारा 100 करोड़ रुपये से अधिक का अर्पण किया गया है, जो मंदिर के इतिहास में सर्वाधिक है। साथ ही गत वर्ष की तुलना में ये राशि लगभग 500 प्रतिशत से अधिक है।

सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि लोकार्पण के बाद से लेकर अबतक मंदिर में 7.35 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया है। बता दें कि

धाम परिसर के चारों द्वार पर लगे हेड स्कैनिंग मशीन के जरिए नियमित अंतराल पर श्रद्धालुओं की गिनती की जाती है।

लोकार्पण के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम आने श्रद्धालुओं की संख्या

महीना श्रद्धालुओं की संख्या
दिसंबर - 2021 4842716
जनवरी -2022 7459471
फरवरी - 2022 6856142
मार्च - 2022 7171163
अप्रैल - 2022 6587264
मई - 2022 6290511
जून - 2022 6916981
जुलाई - 2022 7681561
अगस्त - 2022 6711499
सितंबर - 2022 4013688
अक्टूबर - 2022 3830643
नवंबर - 2022 3870403
दिसंबर (1-12-2022 ह्रश 12-12-2022) 1350000
कुल 73582042

चार से पांच साल में निकल जाएगा निर्माण का खर्च

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि श्रीकाशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण और मुआवजा में तकरीबन 900 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। आने वाले समय में धाम में सुविधाओं के विस्तार से भक्तों की संख्या बढ़ना निश्चित है, जिससे शिवभक्तों की ओर से चढ़ावा भी बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि चढ़ावे के अलावा कॉरिडोर में बने भवनों से भी अतिरिक्त आय होगी। माना जा रहा है कि कॉरिडोर की लगात अगले चार से पांच साल में भक्तों के चढ़ावे और परिसर में नवनिर्मित भवनों से होने वाली आय से पूरी कर ली जाएगी।

लोकार्पण के बाद बढ़ी हैं मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा

मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि लोकार्पण के बाद मंदिर न्यास द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधाओं में लगातार बेहतरी का प्रयास किया गया है। पेयजल व्यवस्था, छाया की व्यवस्था, मैट व अन्य मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया है। सुगम दर्शन व्यवस्था में 50 कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि साफ सफाई व्यवस्था में 200 कर्मियों एवं दर्शनार्थियों को बेहतर सुरक्षा एवं सुविधा देने के लिए 100 कर्मियों को लगाया गया है। इसके अलावा लॉकर, हेल्प डेस्क स्थापित किये गये हैं। मंदिर में दर्शनार्थ आने वाले वृद्ध व दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गयी है।

विश्वनाथ धाम के कारण वाराणसी में बढ़े पर्यटक

उन्होंने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ धाम का नव्य भव्य स्वरूप होने के कारण वाराणसी में पर्यटकों व दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ी है। इसकी वजह से परिवहन, होटल, गेस्टहाउस, नाविकों, श्रमिकों, वस्त्र उद्योग, हेंडीक्राफ्ट व अन्य व्यवसाय से अर्थव्यवस्था भी रफ़्तार पकड़ रही है।

तवांग मुद्दे पर राजनाथ सिंह ने बुलाई बैठक, NSA डोभाल, CDS और विदेश मंत्री जयशंकर रहे मौजूद

नई दिल्ली। बीती 9 दिसंबर को एलएसी के तवांग सेक्टर में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक बुलाई। राजनाथ के आवास में बुलाई गई इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर के अलावा चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहे। रक्षा सूत्रों का कहना है कि सीडीएस अनिल चौहान ने राजनाथ को तवांग झड़प की जानकारी दी। अब राजनाथ लोकसभा में 12 बजे और राज्यसभा में 2 बजे बयान जारी करेंगे। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में 9 दिसंबर को हुई झड़प को लेकर सरकार गंभीर है। इस मुद्दे पर आज संसद में भी हंगामे के आसार हैं। संसद में राजनाथ सिंह इस बारे में सरकार की तरफ से बयान भी जारी कर सकते हैं। इससे पहले राजनाथ सिंह ने सीडीएस, सेना प्रमुख और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बड़ी बैठक बुलाई। एलएसी पर एक बार फिर भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प के बाद सरकार सीमा पर सुरक्षा को लेकर चिंतित है। तवांग में हुई झड़प में भारत के 6 जवान घायल हुए। उनकी हालत स्थिर है। जबकि इसमें चीनी सैनिकों की संख्या 15 बताई जा रही है। बैठक में सीडीएस अनिल चौहान ने चीन के साथ एलएसी पर सुरक्षा स्थिति को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को

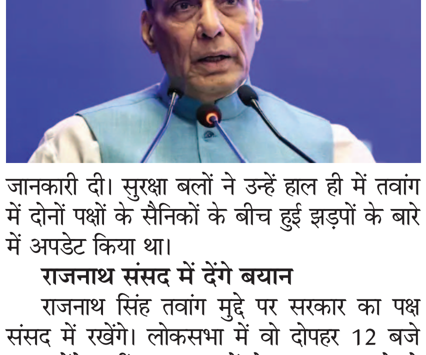

जानकारी दी। सुरक्षा बलों ने उन्हें हाल ही में तवांग में दोनों पक्षों के सैनिकों के बीच हुई झड़पों के बारे में अपडेट किया था।

राजनाथ संसद में देंगे बयान

राजनाथ सिंह तवांग मुद्दे पर सरकार का पक्ष संसद में रखेंगे। लोकसभा में वो दोपहर 12 बजे बयान देंगे। वहीं, राज्यसभा में दोपहर बाद 2 बजे वो बयान जारी करेंगे। दूसरी ओर आज संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्ष तवांग मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा मंगलवार को सवाईमाधोपुर के जीनापुर से हुई शुरू

सवाईमाधोपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आज राजस्थान में नौवें दिन सवाईमाधोपुर जिले में खंडार के जीनापुर से सुबह छह बजे बाद शुरू हुई।

गत सात सितंबर से कन्याकुमारी से शुरू हुई यात्रा 97वें दिन मंगलवार को सवाईमाधोपुर जिले में चल रही है और इसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित पार्टी के अन्य कई नेता एवं पदाधिकारी श्री राहुल गांधी के साथ चल रहे है। यात्रा में कांग्रेस के लोगों के साथ आम लोगों का भी काफी समर्थन मिल रहा है और इसमें भीड़ बढ़ती जा रही है।

जीनापुर से शुरु हुई यात्रा करीब तेरह किलोमीटर चलकर दस बजे सूरवाल बाइपास पहुंचेगी जहां दोपहर का विश्राम होगा। विश्राम के बाद अपराह्न साढ़े तीन बजे से यात्रा फिर शुरू होगी।

● गत सात सितंबर से कन्याकुमारी से शुरू हुई यात्रा 97वें दिन मंगलवार को सवाईमाधोपुर जिले में चल रही है और इसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित पार्टी के अन्य कई नेता एवं पदाधिकारी श्री राहुल गांधी के साथ चल रहे है।

सूरवाल बाईपास से दुब्बी बनास तक करीब नौ किलोमीटर चलेगी और दुब्बी बनास पहुंचेगी। इसके बाद दहलोद में यात्रा का रात्रि विश्राम होगा।

इससे पूर्व यात्रा के दोपहर विश्राम के समय श्री राहुल गांधी कई किसानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे। वह यात्रा में समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों से मिल रहे है और उनसे संवाद कर उनकी पूरी बात सुन रहे है। इसके बाद वह यात्रा में साथ चल रहे मुख्यमंत्री से भी लोगों की समस्या हल करने का आग्रह करते है।

'मोदी की हत्या' कहने वाले कांग्रेस नेता पर MP सरकार सख्त, उम्रकैद से फांसी की सजा तक वाली धाराएं

भोपाल। मोदी की हत्या को तैयार रहो अपने कार्यकर्ताओं के बीच ऐसा कहने वाले कांग्रेस नेता राजा पटेरिया की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। विवादित बयान की वजह से कांग्रेस की किरकिरी के बीच पटेरिया को मध्य प्रदेश पुलिस ने मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। अब गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि पटेरिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। राजा के खिलाफ ऐसी धाराएं लगाई गईं हैं जिनमें उम्रकैद से लेकर फांसी की सजा तक का प्रावधान है। नरोत्तम मिश्रा ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, वह आदतन ऐसा करते हैं। ऐसे कृत्य, लोगों को भड़काने को लेकर धारा 115 और 117 के तहत आजीवन कारावास और फांसी की सजा तक का प्रावधान है। इन धाराओं को लगाया गया है।मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता राजा पटेरिया को पन्ना जिला पुलिस ने सुबह दमोह जिले के हटा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार पटेरिया को हटा पुलिस की मदद से सुबह उनके निवास से गिरफ्तार किया गया। पन्ना जिले की पवई पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर अपने साथ लेकर पवई गई। हटा से विधायक रह चुके राजा पटेरिया का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे प्रधानमंत्री मोदी की हत्या के लिए तैयार रहने की बात कहते हैं। इसके बाद भाजपा नेताओं की तीखी प्रतक्रियिाएं आईं और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मश्रिा ने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए कहा था। कल ही पवई थाने में पटेरिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पटेरिया का यह वीडियो एक दो दिन पुराना पवई का बताया गया है, जिसमें वे कुछ लोगों को संबोधित करते हुए मोदी की हत्या करने के लिए तैयार रहने संबंधी बात कहते हुए सुने जा रहे हैं। मामला बढ़ता देख पटेरिया ने एक वीडियो संदेश के जरिए सफाई देने की भी कोशिश की और कहा कि वे मोदी की राजनैतिक हत्या की बात कह रहे थे।

सरकार से फिर नए नामों की सिफारिश करेगा कॉलेजियम, इसी हफ्ते क्यों फाइनल करने की जल्दी

नई दिल्ली। जस्टिस दीपांकर दत्ता सुप्रीम कोर्ट के जज बन गए। अब उनकी नियुक्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम एक बार फिर से नए नामों की सिफारिश सरकार से कर सकता है। हाल ही में सरकार ने कॉलेजिमय की ओर से सुझाए गए 19 नामों को खारिज कर दिया था और फाइल लौटाई थी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से नए नामों की सिफारिश ऐसे वक्त में की जाएगी, जब सरकार से जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर उसका टकराव चल रहा है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय की कॉलेजियम ने फैसला लिया

था कि जस्टिस दत्ता के नाम पर मुहर लगने तक वह नए नामों की सिफारिश नहीं करेगी। दो महीने तक फाइल रोके रखने के बाद सरकार ने रविवार को ही जस्टिस दत्ता के नाम पर मुहर लगाई थी। अब इसी सप्ताह कॉलेजिमय में शामिल चीफ जस्टिस समेत 5 जजों की मीटिंग होगी और कुछ नए नामों की सिफारिश सरकार से की जाएगी। इस सप्ताह कॉलेजियम की एक से ज्यादा बैठकें हो सकती हैं। कहा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट में 19 दिसंबर से 2 जनवरी तक सर्दियों की छुट्टियां रहेंगी। उससे पहले कॉलेजियम अपनी तरफ से जजों के नाम फाइनल करके सरकार के समक्ष भेजना चाहती है। इसके अलावा कॉलेजियम में शामिल जज अब्दुल नजीर का 4 जनवरी को रिटायरमेंट हो रहा है। यह भी एक वजह है कि कॉलेजियम मीटिंग जल्दी करना चाहती है। चर्चा है कि हाई कोर्ट्स के चीफ जस्टिस और वरिष्ठ जजों को सुप्रीम कोर्ट में भेजे जाने के लिए 10 नाम सुझाए जा सकते हैं। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम एक मुस्लिम जज को भी उच्चतम न्यायालय में लाने की सिफारिश कर सकती है। 4 जनवरी को रिटायर होने वाले जस्टिस अब्दुल नजीर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में इकलौते मुस्लिम जज हैं। सोमवार को ही जस्टिस दत्ता के शपथ लेने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 28 हो गई है, जबकि कुल क्षमता 34 की है। इस तरह उच्चतम न्यायालय में अब भी जजों के 6 पद खाली हैं। इसके अलावा 9 जज अगले साल और रिटायर हो रहे हैं। इस तरह आने वाले दिनों में सुप्रीम कोर्ट में कुल 15 नए जजों की जरूरत होगी। मौजूदा चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ कॉलेजियम के प्रमुख भी हैं, जो 10 नवंबर 2024 तक पद पर रहेंगे। उनके कार्यकाल के दौरान सुप्रीम कोर्ट में कुल 19 जजों की नियुक्ति की जाएगी।

मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता राजा पटेरिया गिरफ्तार

दमोह (मध्य प्रदेश)। पन्ना पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता राजा पटेरिया को मंगलवार सुबह 7:00 बजे दमोह जिले के हटा से गिरफ्तार कर लिया। पन्ना से पहुंची पुलिस टीम उनके आवास से गिरफ्तार कर उन्हें अपने साथ ले गई। इस संबंध में पटेरिया के खिलाफ सोमवार को पन्ना जिले के पवई पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई थी। मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री राजा पटेरिया ने एक सभा में यह टिप्पणी की थी। इसका वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक तूफान मच गया था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि कांग्रेस के असली भाव प्रकट हो गए, लेकिन ऐसी चीजों को सहन नहीं किया जाएगा। कानून अपना काम करेगा। मोदी जी जनता के दिलों में बसते हैं। संपूर्ण देश की श्रद्धा और आस्था के केंद्र हैं। कांग्रेस के लोग मैदान में उनसे मुकाबला नहीं कर पाते हैं, इसलिए कांग्रेस के एक नेता मोदी जी की हत्या की बात कर रहे हैं। ये विद्वेष की पराकाष्ठा है, घृणा की अति है। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कांग्रेस नेतृत्व से इस बयान के लिए माफी मांगने की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा था कि कांग्रेस का मोदी को गाली देने का इतिहास रहा है। पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उन्हें मौत का सौदागर कहा था। वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनकी तुलना रावण से की थी। यह टिप्पणी हत्याओं की राजनीति को उजागर करती है, जो कांग्रेस शासन में फली-फूली थी। गौरतलब है कि राजा पटेरिया

कार्यकर्ताओं से यह कहते हुए नजर आए कि अगर संविधान बचाना है तो मोदी की हत्या करने को तत्पर रहो। इस वीडियो को भाजपा नेता राजपाल सिह सिसौदिया ने सोमवार को ट्विटर पर अपलोड किया था। बयान पर हंगामा मचने के बाद पन्ना के पवई थाने और जबलपुर के ओमती थाने में पटेरिया के विरुद्ध एफआईआर दर्ज हुई हैं। पवई थाने में पटेरिया के खिलाफ लोक शांति भंग करने के लिए प्रेरित करने, उकसाने और धमकाने सहित कई अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पटेरिया ने यह बात पवई के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक कही थी।

कांग्रेस ने पटेरिया के बयान से किनारा कर लिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश पचौरी ने कहा है कि पटेरिया ने ऐसा बयान दिया है तो निंदनीय है। कांग्रेस हिंसा का कभी समर्थन नहीं करती। एआईसीसी के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा है कि यह निंदनीय है। प्रधानमंत्री या किसी के खिलाफ ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस ऐसे बयानों की निंदा करती है।

हंगामा मचने के बाद राजा पटेरिया ने वीडियो जारी कर सफाई देते हुए कहा कि उनकी बात का गलत अर्थ निकाला गया है। उन्होंने कहा कि हमारा आशय मोदी को हराने से था। इससे पहले मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पटेरिया के बयान को निंदनीय बताते हुए पन्ना पुलिस अधीक्षक को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वैसे वे पहले कभी मंत्री नहीं रहे। वहीं विरासत में राजनीति पाने वाले तथा पांच बार विधायक रहे व पत्रकार से राजनेता बने मुकेश अग्निहोत्री उपमुख्यमंत्री बने। पिछली विधानसभा में कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष रहे अग्निहोत्री का शायद ब्राह्मण होना माइनस प्वाइंट रहा। हिमाचल की राजनीति में ठाकुर वर्चस्व रहा है और कांग्रेस ने यह कार्ड खेला भी।

पहाड़ जैसी चुनौतियां

हिमाचली आकांक्षाओं की कसौटी पर सरकार

थोड़ी बहुत ऊंच-नीच के बाद आखिरकार हिमाचल में कांग्रेसी सरकार के मुखियाओं का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। शपथ ग्रहण समारोह में पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पार्टी पर्यवेक्षक मौजूद थे। बहरहाल, कांग्रेस ने मुख्यमंत्री बनाने में ठाकुर कार्ड को तरजीह दी और चुनावी अभियान के मुखिया रहे सुखविंदर सिंह सुक्खू को सत्ता की बागडोर सौंप दी। हमीरपुर जिले के नादौन विधानसभा क्षेत्र से चौथी बार विधायक बने सुक्खू के पक्ष में पार्टी हाईकमान को ज्यादा वजन नजर आया। वैसे वे पहले कभी मंत्री नहीं रहे। वहीं विरासत में राजनीति पाने वाले तथा पांच बार विधायक रहे व पत्रकार से राजनेता बने मुकेश अग्निहोत्री उपमुख्यमंत्री बने। पिछली विधानसभा में कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष रहे अग्निहोत्री का शायद ब्राह्मण होना माइनस प्वाइंट रहा। हिमाचल की राजनीति में ठाकुर वर्चस्व रहा है और कांग्रेस ने यह कार्ड खेला भी। बहरहाल, अग्निहोत्री हिमाचल की राजनीति में कद्दावर नेता हैं और पिछले पांच चुनावों से उनके किले को भाजपा भेद नहीं पायी है। वे इस चुनाव में भी स्टार प्रचारकों में शामिल रहे हैं। उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र का करीबी माना जाता है। यही वजह है कि उनके समर्थक अग्निहोत्री को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाह रहे थे। शायद घर में शांति रखने के मकसद से ही कांग्रेस निचले हिमाचल से ही मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री चुना है। पिछले अनुभवों से सबक लेकर कांग्रेस इस पहाड़ी राज्य में ऐसी कोई स्थिति नहीं चाहती है जो विपक्षी राजनीतिक दल को सुविधाजनक लगे। निश्चित रूप से राज्य में सत्ता की बागडोर थामने वाली कांग्रेस सरकार के समाने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। पुरानी पेंशन के जिस मुद्दे को लगातार उठाकर कांग्रेस ने भाजपा को पटखनी दी है, उसको जमीनी हकीकत बनाना सरकार के लिये बड़ी चुनौती होगी। पहले ही आर्थिक मोर्चे पर राज्य मुश्किलें झेल रहा है और सरकारी कर्मचारियों के भारी-भरकम वेतन-भत्तों से चरमराती अर्थव्यवस्था में नये वित्तीय संसाधन जुटाना आसन नहीं होगा। सवाल यह भी है कि इस योजना को मूर्त रूप देना क्या केंद्र सरकार के सहयोग के बिना संभव हो पायेगा? बहुत संभव यह मांग कांग्रेस शासित अन्य राज्यों में जोर पकड़े। सवाल यह भी है कि मौजूदा राज्य कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के मलाल को पार्टी किस तरह दूर करती है। उन्होंने चुनाव परिणाम आने के बाद कहा भी था कि हमने यह चुनाव स्व. वीरभद्र के नाम व नीतियों पर लड़ा है, हाईकमान को इस तथ्य पर ध्यान देना चाहिए। देखना होगा कि उनके पुत्र को क्या भूमिका मिलती है। सबसे महत्वपूर्ण है राज्य का विकास और नयी योजनाओं को मूर्त रूप देना। आर्थिक विशेषज्ञ सवाल उठाते रहे हैं कि जब पुरानी पेंशन को लागू करने के लिये अतिरिक्त धन जुटाया जायेगा तो विकास योजनाओं के लिये संसाधन जुटाने में चुनौती सामने होगी। बहरहाल, नया जनादेश बड़ी उम्मीदों के साथ आया है। उसकी कसौटी पर खरा उतरना सुक्खू सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। ताकि हिमाचल के लोगों को लगे कि राज बदलने से अच्छे दिन आए हैं।

सूक्ति

नर हो न निराश करो मन को। कुछ काम करो कुछ काम करो। जग में रहकर कुछ नाम करो?
- मैथिलीशरण गुप्त

सब प्राचीन अच्छा और सब नया बुरा नहीं होता। बुद्धिमान पुरुष स्वयं परीक्षा द्वारा गुण-दोषों का विवेचन करते हैं। - कालिदास

लॉफिंग ज़ोन

मुरारी लाल रामलीला में रावण का रोल कर रहा था. रावण के दरबार का सीन चल रहा था जिसमें अंगद रावण के दरबार में अपना पांव जमा कर कहता है, 'है कोई माई का लाल जो मेरा पैर हिला दे?' अंगद के फर्श पर जोर से पैर मारते ही बिजली चली गई तो रावण बने मुरारी लाल ने अपने दरबारियों से कहा, 'तुम में से 5-6 आदमी अंगद का पैर उठाने की कोशिश करो और बाकी लोग बाहर जाकर चैक करो किसी दुष्ट ने बिजली का फ्यूज तो नहीं उड़ा दिया.'

☺ ☺ ☺

रजनी ने अपने साथ काम करने वाली टाइपिस्ट से कहा, 'आज सुबह मेरा मूड इतना अच्छा था कि मैंने एक मांगने वाले को 1000 रुपए दे दिए.'

सहेली हैरान होकर बोली, 'हजार रुपए मांगने वाले को दे दिए तो तुम्हारे पति ने कुछ नहीं कहा.'

-'कहा था.'

-'क्या?'

-'थैंक यू रजनी.'

☺ ☺ ☺

एक नेत्र विशेषज्ञ ने रोगी की जांच करने के बाद कहा, 'ऐनक लगानी पड़ेगी.'

रोगी ने चकित होते हुए कहा- 'डाक्टर साहब, ऐनक तो पहले से ही आंखों पर लगी हुई है.'

डाक्टर ने भी संभलते हुए कहा 'मेरा मतलब है कि मुझे ऐनक लगानी पड़ेगी.'

समझना होगा ऊर्जा का महत्व

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

हमारे जीवन में प्रतिदिन के विभिन कार्यो के संचालन के लिए ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण साधन है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ-साथ प्रतिवर्ष ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। हम प्रतिदिन विभिन रूपों में ऊर्जा का उपयोग करते है। अतः भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसका संरक्षण आवश्यक है। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य विभिन उपायों के माध्यम से ऊर्जा का संरक्षण करना है। ऊर्जा संरक्षण के अंतर्गत विभिन कार्यो के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग इस प्रकार किया जाता है। जिससे वर्तमान की आवश्यता की पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतें भी पूरी हो सकें। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग है। इसका अर्थ है ऊर्जा का अनावश्यक उपयोग ना करना एवं कम से कम ऊर्जा का उपयोग करते हुए कार्य को करना। बिजली आज पूरी दुनिया की सबसे अहम जरूरत बन गयी है। बिजली के बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है। थोड़े से समय के लिये बिजली चली जाने पर हमारे अधिकतर काम रूक जाते हैं। बिजली हमारे जनजीवन का कब मुख्य हिस्सा बन गयी हमें पता ही नहीं चल पाया। आज हमारा पूरा जनजीवन बिजली से जुड़ा हुआ है। बिजली का उत्पादन मशीनो से किया जाता है। ऐसे में हमें हर हाल में बिजली का दुरूपयोग नहीं करना चाहिये। भारत में हर साल 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। भारत में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने का मकसद लोगों को ऊर्जा के महत्व के साथ ही ऊर्जा की बचत के बारे में जागरुक करना है। भारत सरकार ने वर्ष 2001 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम 2001 लागू किया था। इस अधिनियम में ऊर्जा के गैर पारम्परिक स्त्रोतों को इस्तेमाल में लाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी करना पारम्परिक स्त्रोतों के संरक्षण के लिए नियम बनाना आदि शामिल था। भारतीय संसद द्वारा पारित ऊर्जा संरक्षण अधिनियम 2001 में ऊर्जा संरक्षण में ऊर्जा के कम या न्यूनतम उपयोग पर जोर दिया जाता है और इसके अत्यधिक या लापरवाही पूर्ण उपयोगों से बचने के लिए कहा जाता है। भारत एक ऐसा देश है जहां पूरे साल सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में साल भर में लगभग 310 दिनों तक तेज धूप खिली रहती है। भारत भाग्यशाली देश है जिसके पास सौर ऊर्जा के लिए खिली धूप की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम का अथाह भंडार तथा पवन ऊर्जा के लिए लंबा समुद्री किनारा नैसर्गिक संसाधन के तौर पर उपलब्ध है। जरूरत है तो बस उचित प्रौद्योगिकी का विकास तथा संसाधनों का दोहन करने की। देश की ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में बहुत बड़ा अन्तर है। देश में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर इस समय बिजली संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो यह भारत के विकास के लिए बड़ा अभिशाप सिद्ध हो सकता है। क्योंकि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता ऊर्जा से ही होकर जाता है। सरकार को अब वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऊर्जा बचत के लिए जरूरी उपाय अपनाने पड़ेंगे। इस मायने में सूर्य से प्राप्त सौर ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण विकल्प है। सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित निर्बाध गति से मिलने वाला सबसे सुरक्षित ऊर्जा स्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा लगभग बारह महिने उपलब्ध है। सौर ऊर्जा को और अधिक उन्नत करने के लिए हमें अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। ऊर्जा के मामले में अधिक समय तक दूसरों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में हमें अपनी तकनीक और संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भरता हासिल करनी ही होगा। यह दुख का विषय है कि बहुत लम्बे समय तक हमने सौर ऊर्जा के उत्पादन व उपयोग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। हमारे देश की परिस्थितियां विषम होने के कारण हमें सभी उपलब्ध ऊर्जा विकल्पों पर विचार करना होगा। इसके साथ ही ऊर्जा संरक्षण के व्यावहारिक कदमों को अपनाना होगा ताकि बड़े पैमाने पर बिजली की बचत हो सके। हमारे देश में ऊर्जा की मांग तीव्रगति से बढ़ रही है। लेकिन उत्पादन में खपत की तुलना में बढ़ोत्तरी नहीं हो पा रही है। देश में चल रही पुरानी बिजली परियोजनाएं कभी पूरा उत्पादन नहीं कर पाईं है। नई स्थापित होने वाली परियोजनाओं के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं होती हैं। देश में बिजली के इस संकट को अगर अभी समय रहते दूर नहीं किया गया तो आने वाले समय में गंभीर संकट का सामना करना होगा। दुर्भाग्यवश हमारे देश में खनिज पेट्रोलियम गैस उत्तम गुणवत्ता के कोयला जैसे प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित मात्रा में ही उपलब्ध हैं। ऊर्जा की बचत किये बिना हम विकसित राष्ट्र का सपना नहीं देख सकते हैं। हमारे देश में 15 सितंबर 2022 तक स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 404132.96 मेगावाट थी। जिसमें कोयले से 210699.5 एमेगावाट अथवा 52.14 प्रतिशत हाइड्रोपावर (पनबिजली) से 46850.17 मेगावाट यानि कुल क्षमता का 11.5 प्रतिशत प्राकृतिक गैस का योगदान 24856.21 मेगावाट यानि क्षमता का महज 6 प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा और परमाणु ऊर्जा का योगदान 6780 मेगावाट है। देश के सभी घरों तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने के लिए मौजूदा क्षमता कम पड़ेगी। इसके लिए वर्तमान क्षमता से कम से कम 30 फीसदी अधिक बिजली की जरूरत होगी। इसके लिये देश में पावर प्लांटों में 100 फीसदी बिजली उत्पादन करना होगा। आज जिस तेजी के साथ हम प्राकृतिक और पराम्परिक ऊर्जा के स्त्रोतों का उपयोग कर रहे हैं। उस रफ्तार से 40 साल बाद हो सकता है हमारे पास तेल और पानी के बड़े भंडार खत्म हो जाए। उस स्थिति में हमें ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों यानि सौर ऊर्जा पवन ऊर्जा जैसे साधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। लेकिन ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों को इस्तेमाल करना थोड़ा मुश्किल है और इस क्षेत्र में कार्य अभी प्रगति पर है। इन स्त्रोतों को इस्तेमाल में लाने के लिए कई तरह के वैज्ञानिक शोध चल रहे हैं जिनके परिणाम आने और आम जीवन में इस्तेमाल लाने के लायक बनाने में अभी समय लगेगा। इसे देखते हुए अगर हमने अभी से ऊर्जा के स्त्रोतों का संरक्षण करना शुरू नहीं किया तो आगे चलकर हालात बहुत बदतर हो सकते हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि देश के अब सभी 5 लाख 97 हजार 464 गांवों का विद्युतीकरण हो गया है। सरकार की परिभाषा के मुताबिक वे गांव इलेक्ट्रिफाइड माने जाते हैं। जहां बेसिक इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर हो और गांव के 10 फीसदी मकानों और सार्वजनिक जगहों पर बिजली हो। भारत में बीते एक दशक के दौरान बढ़ती आबादी आधुनिक सेवाओं तक पहुंच विद्युतीकरण की दर तेज होने और सकल घरेलू आय में वृद्धि की वजह से ऊर्जा की मांग काफी बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मांग को सौर ऊर्जा के जरिए आसानी से पूरा किया जा सकता है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए अब विदेशी कंपनियों की निगाहें भी भारत पर हैं। आज विश्व का हर देश कागजी स्तर पर तो ऊर्जा संरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें करता है। लेकिन ऊर्जा की बर्बादी में सबसे आगे नजर आते हैं। अगर भारत की बात की जाए तो यहां विश्व में पाएं जाने वाली ऊर्जा का बहुत कम प्रतिशत हिस्सा पाया जाता है। लेकिन इसकी तुलना में हम इसको कहीं ज्यादा खर्चा करते हैं। हमारे देश में आज ऊर्जा बचत के उपायों को शीघ्रतापूर्वक और सख्ती से अमल में लाए जाने की जरूरत है। इसमें देश के हर नागरिक की भागीदारी होनी चाहिए। हर संभव ऊर्जा बचत करें तथा औरों को भी इसका महत्व बताएं।

हारने वालो करो चिंतन और जीतने वालो पूरा करना वादा -भूल न जाना

(विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

जैसे कहा जाता हैं की मनुष्य को हर क्षण से शिक्षा लेनी चाहिए और हार से सीखना चाहिए की हमारी क्यों हार हुई और कहाँ गलती की आत्मावलोकन करना चाहिए और उनमे सुधार करे और फिर से पुनरावृत्ति न हो। एक बार की भूल क्षम्य होती हैं पर बारबार वही गलती दुहराना क्षम्य नहीं होती हैं। जहाँ तक सार्वजनिक जीवन में उसका प्रभाव तुरंत पड़ना शुरू होता हैं। वैसे राजा या मुखिया या मुख्य मंत्री को वक़्त की कमी होती हैं इस कारण वह कमवक़्त हो जाता हैं। उनको कभी कभी सामाजिक और असामाजिक तत्वों से भी मिलना चाहिए। परन्तु सुरक्षा के नाम पर इतनी सुरक्षा रहती हैं को कोई मिलना भी चाहे तो मिलना मुश्किल। वैसे नेता मंत्री सचिव। कलेक्टरसाधु संत ये सब चलित भगवान होते हैं जिनसे मिलना असंभव। पर महाकाल के दर्शन सरल हैं। चौबीस घंटे में हो ही जायेंगे पर चलित भगवानों के दर्शन न भी हो। उनके दर पर से लौट के आना पड़े। राजनीती पूरा झूठ फरेब मक्कारी का खेल हैं इसमें कोई भी ईमान धर्म नहीं होता । कोई नियम नहीं होता। वैसे होते हैं जनता के सेवक और जनता से जुड़े रहते हैं सबकी सुनते हैं पर करते कुछ खास लोगों का काम जहाँ स्वार्थ सुविधा शुल्क या उनकी रूचि या प्रभाव। इससे होता यह हैं की वे अपने चाटुकारों से चम्मचों से घिरे रहते हैं जबकि जीवन में समय का प्रबंधन कर समय सामान्य या अनुपयोगियों को भी देना चाहिए पर व्यस्तता अपने से घिरे रहना और बिना सन्दर्भों के न मिलना जिससे कोई भी सामान्य व्यक्ति उनके निवास या कार्यालय में नहीं मिल सकता जब भी जाओ तो मीटिंग में व्यस्त। जबकि इस सरकार के पास पूर्ण बहुमत और संगठन में पकड़ के बावजूद भी न मिलना। यह असफलता की निशानी थी।. चाटुकारों से घिरे होने के कारण सामान्य वर्ग की क्या समस्या हैं या उनकी योजनाओं का प्रभाव जन मानस पर पड़ रहा हैं उससे अज्ञात/अनजान रहते हैं और सचिव वगैरह ऐसी योजनाओं को लाते हैं जिसमे आर्थिक लाभ अधिक हो और झूठी प्रशंसा कर भ्रमित करते हैं। जबकि निंदक नियरे रखिये पर नहीं पर निंदा और आत्म प्रशंसा में मशगूल रहना। वैसे तालाब का पानी बहुत दिनों तक रुका रहता हैं तब उसमे सड़ांध आने लगती हैं। आज सरकार को इतने वर्षों की सत्ता होने के बाद भी असंतोष /नाराज़ी क्यों झेलना पड़ रही हैं कभी इस पर चिंतन किया। जनता का कोई काम नहीं होता तब वह अधीनस्थों को नहीं कोसता शासक को कोसता हैं। वास्तव में इस शासन काल में इतने अधिक इन्वेस्टर मीटिंग्स की और उन पर करोड़ों रूपया खरच किया गया उसके बाद कितनो को रोजगार मिला ? किसानों के असंतोष का कारण ढूढने का प्रयास किया गया उनके मरने का वास्तविक कारण क्या रहा ?बिना कारण के कोई कार्य नहीं होता। आज शिक्षा का स्तर कितना उच्च हैं यह कहने की जरुरत नहीं हैं चाहे कोई भी क्षेत्र हो व्यापम काण्ड ने मनपसंद सरकार को विश्व प्रसिद्ध कर दिया। कोई भी इंजिनीरिंग कॉलेज या मेडिकल कॉलेज और अन्य शाखाओं की क्या प्रतिष्ठा हैं ?सडकों के बारे में अपने मुँह मियां मिट्ठू रहे पर आप दूरस्थ अंचलों में जाओ तब वास्तविकता समझ में आएँगी। पानी बिजली किसानों को भुगतान उद्योगों की वस्तुस्थिति समझे। मात्र भाषणों और भाव व्यक्त करने से कुछ नहीं होता। इस कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम सीमा में रहा। कर्मचारी नौकरी करने का वेतन लेते और काम करने का मेहताना। चिकित्सा क्षेत्र असंवेदनशील हैं कुपोषण बहुत हैं। वह राजा प्रसन्न होने पर किसी को पुरुस्कार न दे सके और कुपित होने पर दंड न दे सके उसे कापुरुष कहते हैं जैसे प्रमुख की फोटो लगाने से कोई भयभीत होता हैं। वैसी ही छवि 13 वर्षों तक रही और हमेशा लच्छेदार भाषणों से कोई हल निकलता हैं। हाँ प्रदेश का विकास हुआ या नहीं हुआ यह किसी को नहीं मालूम पर जो सत्ता के केंद्र और परिधि में रहे उनका भरपूर विकास हुआ। आर्थिक विकास अमर्यादित कारण जब मुखिया की निगाह आगामी पीढ़ी तक की रही तब उनका काम करने वाले मातहतों ने सात पीढ़ियों की जुगाड़ करके रखली जैसे मरणोपरांत उस धन को साथ ले जायेंगे। प्रदेश आर्थिक रूप से खोखला हो चूका अंधाधुंध घोषणाएं करके कोष खाली कर दिया। आषाढ़ का चूका किसान और डाल का चूका बन्दर को कुछ नहीं मिलता। इसी प्रकार एक बार का चुनाव हारी पार्टी को आगामी काल में अवसर मिले या न मिले। खैर जीत हार लगी रहती हैं। इतना अर्थ वैभव यश कमा लिया हैं की अब भी जुगाली करेंगे तो कई पीढ़ियां निकल जाएँगी। जीतने वाली नयी पार्टी की हालत ऐसी होगी जैसे कोई विधवा और ऊपर से गर्भवती। राजकीय कोष इतना खाली कर दिया जाता हैं की नयी सरकार को कुछ समय इसी संघर्ष में निकालना होगा.हां एक बात जरूर हैं नयी सरकार प्रधानसेवक जैसे बहाने न बनाये की हमें समय नहीं मिला या ये ये विरासत में मिला। इसके अलावा आपने जो वादे किये हैं उनकी दशा दिशा जनता को समझ में आये। सबसे पहले रोजगार की समस्याएं दूर हो नए उद्योग लगे और रोजगार मिले किसानों की मूलभूत समस्याओं का निराकरण हो और भ्रष्टाचार से प्रदेश पीड़ित हैं पहले शुल्क कम लगता था और अब महगाईं बढ़ने से और तकनिकी के डर से रिस्क लेने के कारण अब फीस महंगी हो गयी हैं। काम में सुगमता नहीं हैं। नयी सरकार से बहुत जल्दी सुधार की गुंजाईश नहीं हैं पर दिखाना चाहिए अन्यथा केंद्र ने जैसा बरगलाने से समय काटा वैसा नयी सरकार ने किया तो जनतंत्र में सत्ता परिवर्तन बहुत सरल होता हैं गहरी नदी में पानी ऊपर शांत रहता हैं पर नीचे बहाव बहुत तेज़ रहता हैं अब जनता समझदार नेताओं जैसी हो गयी हैं। नयी सरकार बहुत दिनों बाद आयी हैं स्वाभाविक हैं उसे भी अर्थाभाव रहा होगा उसको भी जरुरत हैं करो पर जनता को काम दिखना चाहिए। समस्यायें अनंत हैं और उनकी पूर्ती करना किसी के बस में नहीं हैं पर जनता को कुछ राहत मिलेगी तो ठीक हैं अन्यथा आगामी चुनाव तो जनता के हाथ में रहेगा।

(चिंतन-मनन)

दुखः भी सहें

आज स्थिति यह है कि महात्मा बनना तो सब चाहते हैं पर उनके अनुरूप कार्यो से जी चुराते हैं। बलिदान करने के समय हिचकिचाते हैं वे महान कैसे बन सकते हैं। बादशाह ने सुना मेरे राज्य में स्थान-स्थान पर रामायण का पारायण हो रहा है। उसे झुंझलाहट हुई। वह कहने लगा-मेरे शासन में राम के गीत गाए जाएं ऍसा क्यों? उत्तर ़मिला-यहां हिन्दुओं की संख्या अधिक है। कुछ सोचकर बादशाह बोला समुद्र में रहते हैं मगरमच्छ से वैर। मेरे राज्य में मेरी रामायण चलेगी। बादशाह ने वाकई में अनेक पण्डितों को बुलाकर अपनी रामायण बनाने का आदेश दे दिया पंडित असमंजस में पड़ गए। करते भी क्या? आखिर उन्हें एक उपाय सूझा। कई दिन बीतने के बाद वे बादशाह के पास गए।

बादशाह- क्या मेरी रामायण तैयार हो गई?

पंडित- जहांपनाह! रामायण करीब-करीब पूरी होने वाली है पर एक बात अधूरी है उसके बिना रामायण पूरी नहीं होगी।

बादशाह- वह क्या है?

पंडित- रामायण में राम की पत्नी सीता को रावण चुरा कर ले गया था। आपकी कौन-सी बेगम को कौन चुरा कर ले गया!

बादशाह- (प्रोध में आकर) मेरी बेगम को क्यों ले जाए? टुकड़े-टुकड़े कर दो ऐसी रामायण मुझे नहीं चाहिए। उसने नई रामायण बनवाने का विचार त्याग दिया।

कहने का आशय यह है कि आज भी प्रायः व्यक्ति अपनी रामायण (प्रशस्ति) चाहते हैं पर कष्ट देखना सहना कोई नहीं चाहता। महात्मा गांधी बनने को सब तैयार हैं लेकिन गोली खाने के लिए कौन तैयार है?

यूजर्स को आईओएस पर ग्रुप चैट के भीतर प्रोफाइल आइकन देखने की अनुमति देगा व्हाट्सएप

सैन फ्रांसिस्को। मेटा-स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने एक नया फीचर शुरू किया है, जो यूजर्स को आईओएस पर ग्रुप चैट के भीतर प्रोफाइल आइकन देखने की सुविधा देता है।वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, यूजर्स को यह देखने के लिए एक ग्रुप खोलने की आवश्यकता है कि क्या यह फीचर उनके अकाउंट के लिए सक्षम है, यदि यह सक्षम है, तो वे चैट बबल्स के बगल में प्रोफाइल आइकन देखेंगे।नया फीचर ग्रुप के सदस्यों को समान नाम वाले अन्य प्रतिभागियों को पहचानने में मदद करता है। डिफॉल्ट एम्पटी प्रोफाइल फोटो दिखाई देती है यदि कोई प्रोफाइल फोटो प्राइवेसी सेटिंग्स के कारण अनुपलब्ध या छिपी हुई है और इसे कॉन्टेक्ट नाम के समान कलर का उपयोग करके हाइलाइट किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रुप चैट के भीतर प्रोफाइल आइकन देखने की क्षमता उन यूजर्स के लिए जारी कर दी गई है जिन्होंने ऐप स्टोर से व्हाट्सएप के लेटेस्ट वर्जन्स इन्सटॉल किए हैं और आने वाले दिनों में इसे और भी लोगों के लिए रिलीज किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने आईओएस पर कुछ बीटा टेस्टर्स के लिए एक नया फीचर रिलीज करना शुरू किया था, जो यूजर्स को डेट के हिसाब से मैसेज सर्च करने की सुविधा देता है। सुविधा यूजर्स को आसानी से बातचीत के भीतर एक निश्चित तिथि पर जाने की अनुमति देती है।

रेटिंग में गिरावट के लिए मूडीज करेगा 7 बांग्लादेशी बैंकों की समीक्षा

नई दिल्ली। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने डाउनग्रेड के लिए ढाका सरकार के सात बांग्लादेशी बैंकों को लॉन्ग-टर्म रेटिंग को समीक्षा पर रखा है।समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका स्थित एजेंसी ने सोमवार को अपनी वेबसाइट पर अपनी रेटिंग जारी की थी। इसने सोशल इस्लामी बैंक लिमिटेड (एसआईबीएल) की लॉन्ग-टर्म विदेशी मुद्रा जमा रेटिंग को बी2 से घटाकर बी3 कर दिया है और बैंक के बेसलाइन क्रेडिट असेसमेंट (बीसीए) को बी3 से सीएए1 कर दिया है। डाउनग्रेड के लिए सात बांग्लादेशी बैंकों की रेटिंग और आकलन को समीक्षा पर रखने का निर्णय 9 दिसंबर को डाउनग्रेड के लिए समीक्षा पर बांग्लादेश की बीए3 सॉवरेन रेटिंग के मूडीज प्लेसमेंट द्वारा संचालित है। मूडीज के बैंक रेटिंग के आकलन में बांग्लादेश की संप्रभु क्रेडिट ताकत एक महत्वपूर्ण इनपुट है क्योंकि देश की क्रेडिट ताकत तनाव के समय में बैंकों को सहायता प्रदान करने की सरकार की क्षमता को प्रभावित करती है। अगर मूडीज बांग्लादेश की सॉवरिन रेटिंग को घटाता है, तो इसका परिणाम बैंकों के लिए लंबी अवधि की रेटिंग कम होने की संभावना है। रेटिंग की कार्रवाई देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट और विदेशी मुद्रा के आउटफ्लो को सीमित करने के केंद्रीय बैंक के उपायों पर भी विचार करती है, जिसने बैंकिंग प्रणाली में विदेशी मुद्रा की तरलता को कड़ा कर दिया है।

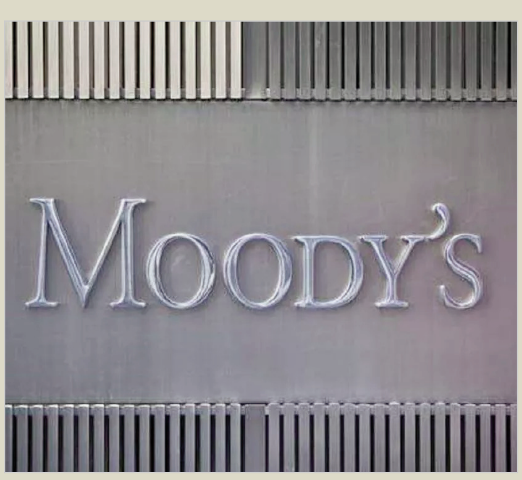

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ है। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति में आई गिरावट से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 402.73 अंक करीब 0.65 फीसदी बढ़कर 62533.30 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह 437.35 अंक तक ऊपर आया था। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 110.85 अंक तकरीबन 0.60 फीसदी बढ़कर 18608 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इंडसइंड बैंक बजाज फाइनेंस इन्फोसिस टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज एचसीएल टेक्नोलॉजीज महिंद्रा एंड महिंद्रा टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं नेस्ले इंडिया टाटा स्टील मारुति सुजुकी और टाइटन के शेयरों में नुकसान के साथ ही गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग उछाल के साथ ही ऊपर आया है। इसे साथ ही चीन के शंघाई कम्पोजिट और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में भी गिरावट आई है। यूरोप के शेयर बाजार दोपहर के सत्र में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार भी सोमवार को लाभ में बंद हुए थे। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.60 फीसदी बढ़कर 79.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

3 दिवसीय जी20 वित्त बैठक बेंगलुरु में शुरू

बेंगलुरू। वसुधैव कुटुम्बकम की थीम के जरिए वैश्विक प्राथमिकताओं पर एक आम रास्ता बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को पहली जी20 फाइनेंस एंड सेंट्रल बैंक डेप्युटीज (एफसीबीडी) की बैठक बेंगलुरू में शुरू हुई।तीन दिवसीय बैठक जो भारतीय जी20 प्रेसीडेंसी के तहत वित्त ट्रैक एजेंडे पर चर्चा की शुरूआत को चिन्हित करती है, केंद्रीय वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा संयुक्त रूप से मेजबानी की जा रही है। सदस्य देशों के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के नेतृत्व में जी20 वित्त ट्रैक, आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर केंद्रित है। यह वैश्विक आर्थिक संवाद और नीति समन्वय के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। बैठक की सह-अध्यक्षता आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ और आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल डी. पात्रा कर रहे हैं। बैठक में जी20 सदस्य देशों और कई अन्य देशों और भारत द्वारा आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के उनके समकक्ष भाग ले रहे हैं। 21वीं सदी की साझा वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों को फिर से उन्मुख करने सहित भारतीय जी20 प्रेसीडेंसी के तहत वित्त ट्रैक के एजेंडे पर चर्चा होगी, जिसमें वैश्विक ऋण कमजोरियों का प्रबंधन, वित्तीय समावेशन और उत्पादकता लाभ को आगे बढ़ाना, जलवायु कार्रवाई और एसडीजी के लिए वित्त पोषण, बिना समर्थित क्रिप्टो संपत्ति के लिए विश्व स्तर पर समन्वित दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय कराधान एजेंडा को आगे बढ़ाना शामिल है।

यूट्यूब के एप्पल टीवी ऐप में समस्या, यूजर्स ने की शिकायत

सैन फ्रांसिस्को। यूट्यूब के एप्पल टीवी एप्लिकेशन से कुछ यूजर्स को एक समस्या का सामना करना पड़ रहा है जब वे एप्लिकेशन से बाहर निकलने का प्रयास कर रहे थे।कई यूजर्स ने मंगलवार को माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर पर इस मुद्दे की शिकायत की। उपयोगकर्ता दावा करते हैं कि यूट्यूब एप्लिकेशन को बंद करने का प्रयास करते समय, उनका एप्पल टीवी एक खाली स्क्रीन प्रदर्शित करता है और अनुत्तरदायी हो जाता है। जबकि एक यूजर ने ट्वीट किया, हे! एटदरेट यूट्यूब कृपया अपने एप्पल टीवी ऐप पर एग्जिट स्क्रीन से छुटकारा पाएं। यह काम नहीं करता है। इसकी पहले जरूरत नहीं थी और अब इसकी बिल्कुल जरूरत नहीं है। एक अन्य ने लिखा, एटदरेट यूट्यूब आपके ऐप के लेटेस्ट एप्पल टीवी वर्जन में एक बग है। नई निकास पुष्टि उपयोगकर्ता को टीवीओएस होम के बजाय ब्लैक स्क्रीन पर ले जाती है। वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म ने अभी भी चल रहे मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, हालांकि, इसने प्रभावित उपयोगकर्ताओं को एप्लिकेशन को फिर से इंस्टॉल करने, कैश और कुकीज को हटाने या यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि उन्होंने लेटेस्ट अपडेट डाउनलोड किया है। इस महीने की शुरुआत में, यूट्यूब ने कहा था कि उसने आईओएस एप्लिकेशन पर क्रैश की समस्या को ठीक कर दिया है, जिसकी कई उपयोगकर्ताओं ने रिपोर्ट की थी। डाउनडिटेक्टर, एक ऑनलाइन वेबसाइट आउटेज मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म ने खुलासा किया कि 8,000 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने पूरे अमेरिका में विभिन्न क्रैश मुद्दों की सूचना दी।

एचपी ने भारत में नए स्मार्ट टैंक प्रिंटर पेश किए

नई दिल्ली।

पीसी और प्रिंटर प्रमुख एचपी ने मंगलवार को भारत में घरेलू उपयोगकर्ताओं और सूक्ष्म और छोटे व्यवसायों की रोजमर्रा की प्रिंटिंग जरूरतों के लिए डिजाइन किए गए स्मार्ट टैंक प्रिंटर की एक नई सीरीज का अनावरण किया।प्रिंटर के तीन मॉडल- एचपी स्मार्ट टैंक 210, एचपी स्मार्ट टैंक 520 और एचपी स्मार्ट टैंक 580 उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत क्रमशः13,326 रुपये, 15,980 रुपये और 18,848 रुपये है। एचपी इंडिया मार्केट के प्रिंटिंग सिस्टम्स के वरिष्ठ निदेशक सुनीश राघवन ने एक बयान में कहा, एचपी स्मार्ट टैंक को छोटे व्यवसायों, उद्यमियों और उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है जो घर पर बहुत अधिक प्रिंट करते हैं और उन्हें सस्ती कीमत पर एक स्मार्ट, अधिक कनेक्टेड प्रिंटिंग अनुभव की आवश्यकता होती है। कंपनी ने कहा, प्रिंटर की नई रेंज उभरते उद्यमियों और व्यवसायों को समर्थन देने के लिए सहज सेटअप, स्मार्ट फीचर्स और बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करती है, जिसमें सेल्फ-हीलिंग वाईफाई और स्मार्ट ऐप और स्मार्ट एडवांस के साथ मोबाइल शामिल है। प्री-फिल्ड इंक सप्लाई के साथ, कंपनी के नए इंक टैंक प्रिंटर बिना रुकावट प्रिंटिंग के लिए 18,000 ब्लैक पेज या 6,000 कलर पेज तक प्रिंट कर सकते हैं। इसके अलावा, प्रिंटर सुविधाजनक स्याही प्रबंधन से सुसज्जित हैं, जो प्रिंटर को आसानी से स्याही सेंसर के साथ स्याही के स्तर की निगरानी और रखरखाव करने देते हैं और ऊर्जा-बचत ऑटो ऑन/ऑफ तकनीक ताकि उपयोगकर्ताओं को अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता न हो। प्रिंटर्स को 45 प्रतिशत पोस्ट-उपभोक्ता रिसाइकिल्ड कंटेंट के साथ टिकाऊ रूप से डिजाइन किया गया है।

इजराइली कंपनी प्लेटिका ने 15 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की

तेल अवीव।

इजराइली मोबाइल गेम कंपनी प्लेटिका ने पूरे यूरोप, इजराइल और अमेरिका में अपने 15 प्रतिशत या लगभग 615 कर्मचारियों को निकाल दिया है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, वह कंपनी जो बेस्ट फाइंड्स जैसे टाइटल प्रकाशित करती है, तीन गेमों, मर्जस्टोरीज, डाइसलाइफ और घोस्ट डिटेक्टिव को भी पूरी तरह से बंद कर देगी क्योंकि यह लागतों को युक्तिसंगत बनाना चाहती है। सीईओ रॉबर्ट एंटोकोल ने कहा था, प्लेटिका की सफलता हमारी दक्षता, रचनात्मकता और हमारे खिलाड़ियों को मोबाइल मनोरंजन के सबसे मजेदार रूप देने के जुनून में निहित है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि आज घोषित ढांचा बेहतर इन-गेम अनुभव प्रदान करने और विकास की निरंतरता में मोबाइल गेम्स को वैश्विक फ्रैंचाइजी तक पहुंचाने की हमारी मुख्य ताकत का लाभ उठाता है। प्रतिभाशाली सहयोगियों और दोस्तों को अलविदा कहना मुश्किल होता है। जैसा कि तकनीकी क्षेत्र पूरी तरह से संघर्ष कर रहा है, रिपोर्ट के अनुसार नैस्डैक पर एक सार्वजनिक कंपनी प्लेटिका के लिए विशेष रूप से कठिन वर्ष रहा है। जून 2021 में अपने आईपीओ के बाद, यह 27 डॉलर के शेयर मूल्य और 11 अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन के साथ कारोबार के पहले दिन 14 अरब डॉलर से अधिक के बाजार पूंजीकरण तक पहुंच गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने महामारी के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि देखी। प्लेटिका जिसे 2010 में स्थापित किया गया था, अपने कैसीनो-थीम वाले गेम के लिए जाना जाता है और पोकर और सॉलिटेयर के लिए ऐप संचालित करता है। जून में प्लेटिका ने लॉस एंजिल्स, मॉन्ट्रियल और लंदन में तीन गेम डेवेलप्मेंट स्टूडियो में 250 कर्मचारियों, या अपने कर्मचारियों के लगभग 6 प्रतिशत को निकाल दिया था।

गूगल ने बड़े डेस्कटॉप ग्रिड प्राप्त करने के लिए नॉलेज पैनल को किया रिडिजाइन

सैन फ्रांसिस्को।

गूगल ने एक बड़ी डेस्कटॉप ग्रिप प्राप्त करने के लिए नॉलेज पैनल को फिर से डिजाइन किया है क्योंकि यह सर्च करते समय सबसे अधिक प्रासंगिक और उपयोगी जानकारी को हाइलाइट करके किसी विषय का पता लगाना आसान बना देगा।नॉलेज पैनल सूचना बॉक्स होते हैं जो गूगल पर तब दिखाई देते हैं जब उपयोगकर्ता नॉलेज ग्राफ में मौजूद संस्थाओं (लोगों, स्थानों, संगठनों, चीजों) की सर्च करते हैं। उनका उद्देश्य उपलब्ध वेब कंटेंट के बारे में गूगल की समझ के आधार पर किसी विषय पर जानकारी का त्वरित स्नैपशॉट प्रदान करना है। 9टु5गूगल के अनुसार, ये हाइलाइट ग्रिड लेआउट में व्यवस्थित कार्ड का रूप ले लेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब एक बड़ा नॉलेज पैनल ग्रिड है जो तस्वीरों से शुरू होता है और उम्र, जीवनसाथी और सोशल मीडिया अकाउंट जैसी चीजों को हाईलाइट करता है। इसके अलावा, एथलीटों को हाइट, नेट वर्थ और हालिया रीकैप वीडियो के लिए कार्ड भी मिल सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गूगल ने अभी तक इस नए कार्ड को पूरी तरह से सभी नॉलेज पैनल श्रेणियों में या एक ही श्रेणी के सभी परिणामों में पूरी तरह से लागू नहीं किया है। जानकारी के अलावा, गूगल ओपन वेब पर क्रिएटर्स के कंटेंट को भी हाइलाइट करेगा। टेक दिग्गज ने डेस्कटॉप पर अपने वेब ब्राउजर क्रोम के लिए नए मेमोरी और ऊर्जा-बचत मोड को रिलीज करना भी शुरू कर दिया है।

ऑनलाइन शिक्षा कंपनी प्लूरलसाइट ने 400 कर्मचारियों की छंटनी की

सैन फ्रांसिस्को।

डेवलपर्स और आईटी पेशेवरों के लिए ऑनलाइन शिक्षा कंपनी, प्लूरलसाइट (जिसका मूल्य हाल ही में 1 अरब डॉलर से अधिक था) ने अपने वैश्विक कार्यबल के 20 प्रतिशत, लगभग 400 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है।सीईओ आरोन स्कोनार्ड ने कर्मचारियों को एक ईमेल में कहा कि वह इस परिणाम के मालिक हैं और हमें यहां लाने वाले फैसलों की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने लिखा, मैंने इस साल आप सभी से उस चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल के बारे में बात की है जिसमें हम काम कर रहे हैं और इसने हमारे व्यापार प्रदर्शन को कैसे प्रभावित किया है। दुर्भाग्य से, इन चुनौतियों में केवल चौथी तिमाही में तेजी आई है और इसके परिणामस्वरूप, आज हम अपनी टीम का पुनर्गठन और आकार घटा रहे हैं, जिससे हमारी टीम के लगभग 20 प्रतिशत सदस्य प्रभावित हो रहे हैं। यूएस एसईसी दस्तावेजों के अनुसार, 2004 में स्थापित, प्लूरलसाइट को 2019 में 163.5 मिलियन डॉलर और 2020 में 164 मिलियन डॉलर का शुद्ध घाटा हुआ था। सीईओ ने कहा कि प्रभावित होने वाले इस सप्ताह के अंत में प्रत्येक संगठन के लिए विशेष ऑल-हैंड मीटिंग्स के बारे में आपके कार्यकारी से अतिरिक्त संचार की तलाश कर सकते हैं। उन्होंने कहा, आप में से कई लोगों पर इसके प्रभाव के लिए मुझे खेद है, हमने आपको मुश्किल समय में निराश किया है। प्लूरलसाइट एक ऑनलाइन शिक्षा कंपनी है जो अपनी वेबसाइट के माध्यम से सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, आईटी प्रशासकों और क्रिएटिव पेशेवरों के लिए विभिन्न प्रकार के वीडियो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करती है।

एप्पल आर्केड ने लॉन्च किया नया गेम, अपडेट्स

नई दिल्ली।

एप्पल आर्केड ने मंगलवार को एक नया क्लासिक ड्राइविंग गेम जेलीकार वल्ड्र्स लॉन्च किया, और स्नीकी सेसक्वोच सहित कई गेम के लिए अपडेट जारी किए।एप्पल ने एक बयान में कहा कि सोलो गेम डेवलपर वालाबर एंटरटेनमेंट की ओर से जेलीकार वर्ल्डस आधुनिक युग में उदासीन और विशिष्ट सॉफ्ट बॉडी फिजिक्स और गेमप्ले के साथ आता है। इस गेम में, खिलाड़ी जेली से बनी एक कार में, जेली से बनी कई दुनियाओं के माध्यम से अपनी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। स्नीकी सैस्क्वाच के प्रमुख कंटेंट अपडेट के बारे में एप्पल ने कहा, नियमित रूप से रोजमर्रा की चीजें जैसे कैंपसाइट्स के आस-पास चुपके-चुपके आना, बिना सुरक्षा वाली पिकनिक बास्केट्स से खाना खाना, मानव भेष धारण करना, अपने कुत्ते के साथ स्कूबा डाइविंग जाना और भी बहुत कुछ कर सकते हैं। इस प्रमुख नए अपडेट में, सेस्क्वोच मेयर के लिए दौड़ रहा है। सेस्क्वोच का घर एक बार फिर खतरे में है और प्रमुख बनने के लिए एक सफल चुनाव अभियान चलाकर ही इसे बचाया जा सकता है। खिलाड़ियों को साइनबोर्ड लगाने, होर्डिंग पर विज्ञापन देने, शहरवासियों से हाथ मिलाने, ज्यादा से ज्यादा लोगों से दोस्ती करने का काम सौंपा जाएगा। इस बीच, टॉवर डिफेंस गेम ब्लून्स टीडी 6 प्लस को भी नई हॉलीडे-थीम वाले कंटेंट मिले, जिसमें एक नया टॉवर और एक नया बॉस ब्लोन (ड्रेडब्लून) शामिल है।

तेलंगाना में 2 जापानी कंपनियां 576 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी

हैदराबाद।

जापान की दो कंपनियों ने मंगलवार को तेलंगाना में 576 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की।स्वचालित सामग्री प्रबंधन प्रौद्योगिकी और समाधान योजनाओं की दुनिया की अग्रणी कंपनी दाइफुकु एक विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगी। कंपनी 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और 800 से अधिक लोगों को रोजगार देगी। निकोमैक तैकिशा क्लीनरूम प्राइवेट लिमिटेड 126 करोड़ रुपये का निवेश करके हैदराबाद में अपनी तीसरी विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगी। कंपनी अपने क्लीनरूम उत्पादन का विस्तार करेगी और एचवीएसी सिस्टम का उत्पादन शुरू करेगी। तेलंगाना के उद्योग और वाणिज्य मंत्री के.टी. रामाराव की मौजूदगी में दोनों फर्मो के शीर्ष अधिकारियों ने यह घोषणा की। दाइफुकु ने तेलंगाना सरकार के साथ अलग समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।इस मौके पर रामाराव ने कहा कि कंपनियों ने तेलंगाना में निवेश का फैसला कर सही चुनाव किया है। उन्होंने कहा कि भारत विशिष्ट स्थिति में है, क्योंकि दुनिया चीन के बाहर वैकल्पिक विनिर्माण स्थानों को देख रही है। केटीआर ने कहा, भारत को दुनिया के विभिन्न हिस्सों से सर्वोत्तम तत्व लेने की जरूरत है। आप इस अवसर को नहीं छोड़ सकते। यदि भारत को इस पर रोक लगानी है, तो हमें वह करना होगा, जो अमेरिका ने पिछले 30 साल में और चीन ने 25 साल में किया। हमारे पास लीप फ्रॉगिंग का अवसर नहीं है। हमें पोल-वॉल्ट करना होगा। मंत्री ने कहा कि देश को सिर्फ उच्च तकनीक, उन्नत या स्मार्ट विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे बुनियादी विनिर्माण पर ध्यान देना चाहिए और औद्योगिक क्रांति 4.0 के हिस्से के रूप में स्मार्ट और कुशल विनिर्माण भी सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े फार्मा और औद्योगिक पार्क बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कामना की कि एफटीसीसीआई-सीआईआई और जापानी जैसे उद्योग निकाय मिलकर ऐसे बड़े पार्क बनाएंगे। केटीआर ने कहा कि वह पिछले कुछ दशकों में जापान द्वारा दिखाए गए अद्भुत तप और लचीलेपन की प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा, अपेक्षाकृत कम आबादी के आकार, लगातार भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं, हिरोशिमा व नागासाकी पर परमाणु विस्फोटों के इतिहास के बावजूद जापान एक प्रमुख आर्थिक शक्ति बना हुआ है।

प्रमुख सदस्यों के इस्तीफे के बाद ट्विटर ने ट्रस्ट एंड सेफ्टी काउंसिल को किया भंग

नई दिल्ली।

एलन मस्क द्वारा कंपनी में लाए गए विवादास्पद परिवर्तनों के विरोध में लगभग सभी प्रमुख सदस्यों के इस्तीफा देने के बाद, ट्विटर ने मंगलवार को अपने सलाहकार ग्रुप ट्रस्ट एंड सेफ्टी काउंसिल को भंग कर दिया।ग्रुप का गठन 2016 में किया गया था और इसमें नए 100 स्वतंत्र शोधकर्ता और मानवाधिकार कार्यकर्ता थे। काउंसिल के शेष सदस्यों को ईमेल में ट्विटर ने कहा कि जैसे-जैसे कंपनी एक नए चरण में आगे बढ़ रही है हम इस बात का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं कि हमारे प्रोडक्ट और पॉलिसी डेवेलपमेंट वर्क में बाहरी अंतर्दृष्टि को कैसे सर्वोत्तम तरीके से लाया जाए। कंपनी ने कहा, इस प्रक्रिया के भाग के रूप में, हमने निर्णय लिया है कि ट्रस्ट एंड सेफ्टी काउंसिल ऐसा करने के लिए सबसे अच्छी संरचना नहीं है। पिछले हफ्ते, ट्विटर ट्रस्ट एंड सेफ्टी काउंसिल के तीन सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया था, यह दावा करते हुए कि मस्क के दावों के विपरीत, ट्विटर के यूजर्स की सुरक्षा और भलाई में गिरावट आ रही है। इरलियानी अब्दुल रहमान, ऐनी कोलियर और लेस्ली पॉडेस्टा, जिन्होंने ट्विटर की डिजिटल सुरक्षा की देखरेख में मदद की थी उन्होंने मस्क की अभिव्यक्ति की स्वतंत्राता दृष्टिकोण को दोषी ठहराया। रहमान और कोलियर 2016 में परिषद की स्थापना के बाद से इसके सदस्य थे। कंपनी के मुताबिक आगे भी वह काउंसिल के सदस्यों के विचारों का स्वागत करती रहेगी। ट्विटर ने कहा, हम द्विपक्षीय या छोटे ग्रुप की बैठकों के माध्यम से अपने काम में केंद्रित और समय पर इनपुट प्रदान करने के अवसरों का पता लगाना जारी रखेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनवरी में होगी राहुल और आथिया की शादी

नई दिल्ली । टीम इंडिया के बल्लेबाज लोकेश राहुल और बॉलीवुड अभिनेत्री आथिया शेट्टी की शादी जनवरी में होगी। आथिया बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी की बेटी हैं। राहुल और आथिया की शादी की अटकलें काफी समय से लगायी जा रही थीं जो अब पूरी होने को हैं। इन दोनो की शादी 21 से 23 जनवरी 2023 तक होगी। इस शादी में परिवार और करीबी लोग ही शामिल रहेंगे। शादी समारोह सुनील शेट्टी के घर पर ही होंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर के अंत तक सभी करीबी लोगों को आमंत्रण दिये जाएंगे। इस दंपत्ति की शादी में कुछ ही दिन बचे हैं इसलिए तैयारियां तेजी से जारी हैं। अथिया के परिवार ने अभी तक शादी को लेकर कुछ नहीं कहा है पर माना जा रहा है कि यह शादी दक्षिण भारतीय रीति रिवाज से होगी। इसमें हल्दी मेहंदी संगीत और सभी होगा। सभी समारो खंडाला हाउस 'जहान' में होने की संभावना है। अथिया और राहुल ने साल 2021 में माना था कि वे रिश्ते में हैं। इन दोनों ने अपने लिए नया घर बांद्रा में एक सी-फेसिंग अपार्टमेंट में लिया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चटगांव ।

भारतीय टीम बुधवार से यहां मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में जीत से शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर एकदिवसीय में मिली हार से उबरना रहेगा। इसके साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की खिताबी दौड़ में टीम बरकरार रहना चाहेगी। इसी सीरीज में भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल की नेतृत्व क्षमता की भी परीक्षा होगी। इसके साथ ही उनके ऊपर लंबी पारी खेलने का भी दवाब रहेगा। इस सीरीज में जीत से भारतीय टीम के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें भी बनी रहेंगी। इस सीरीज में भारतीय टीम को नियमित कप्तान रोहित शर्मा के बिना ही उतरना पड़ रहा है। रोहित अंगुली में चोट से अभी तक नहीं उबरे हैं। रोहित के अलावा कई अन्य अनुभवी खिलाड़ी भी इस सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में भारत की राह आसान नहीं रहेगी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत जहूर अहमद स्टेडियम में करेगी। इसकी पिच पारंपरिक रूप से बल्लेबाजी की अनुकूल रहती है जबकि मैच के अंतिम दिनों को स्पिन गेंदबाजों को मदद भी मिलती है। भारत टेस्ट प्रारूप में प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा पर रोहित शर्मा जसप्रीत बुमराह मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा के नहीं रहने से टीम को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो बांग्लादेश इस प्रारूप में अब तक भारत को नहीं हरा पाया है। इस प्रकार के विकेटों पर जडेजा की कमी भारतीय टीम को खेलेगी। जडेजा और अनुभवी आर अश्विन की जोड़ी उपमहाद्वीप की पिचों पर विरोधी बल्लेबाजों पर भारी पड़ती थी। युवा स्पिनर अक्षर ने पिछले दो सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और अगर वह फिट रहते हैं तो भारत के लिए आसानी रहेगी। । भारतीय टीम को यह तय करना है कि टीम तीन तेज गेंदबाजों के सात उतरेगी या तीसरे स्पिनर को वरीयता देगी। यह देखना होगा कि अगर भारत तीन स्पिनर के साथ उतरता है तो कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को मौका मिलेगा या फिर बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार को अवसर मिलेगा। सौरभ ने बांग्लादेश ए के खिलाफ हाल में दो अनौपचारिक टेस्ट में सौरभ ने भारत ए के लिए 15 विकेट लिएथे। पिछले एक साल में राहुल अपनी कप्तानी से प्रभावित करने में काफी सफल नहीं रहे हैं और उनकी भविष्य की कप्तानी इस श्रृंखला में प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगी। राहुल ने कहा है कि उनकी टीम आक्रामक क्रिकेट खेलने की योजना बना रही है क्योंकि उन्हें पता है कि लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए यह जरूरी है। भारतीय पारी की शुरुआत शुभमन गिल और राहुल करेंगे जबकि मध्यक्रम में चेतेश्वर पुजारा विराट कोहली और श्रेयस अय्यर खेलते हुए नजर आएंगे। ऋषभ पंत एक बार फिर विकेटकीपर की भूमिका में दिखेंगे। टेस्ट प्रारूप में उनका रिकाड अच्छा रहा है। इसी कारण उन्हें जगह मिली है।

नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप : भारत ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर दर्ज की तीसरी जीत

बैंग्लोर/कट्टक ।

कटक के बाराबती स्टेडियम में खेले गए नेत्रहीनों के तीसरे टी20 क्रिकेट विश्व कप में भारत ने बांग्लादेश को आसानी से 7 विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की। भारत ने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों सलमान और आबिद को तीन ओवर के अंदर आउट करके शुरुआती बढ़त बनाई। कप्तान मोहम्मद आशिकुर रहमान और मोहम्मद आरिफ ने पारी को संवारा और तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। यह साझेदारी 13वें ओवर में टूटी जब आरिफ 33 गेंदों पर 33 रन बनाकर रन आउट होने के कारण आउट हो गए। आशिकुर रहमान को इसके बाद क्रीज पर तंजील का साथ मिला और इस जोड़ी ने पारी के अंत तक बल्लेबाजी करते हुए 61 रन की साझेदारी कर के कुल स्कोर 166 रन तक पहुंचाया। आशिकुर रहमान 53 गेंदों पर 75 रन बनाकर पारी की आखिरी गेंद पर आउट हुए। तंजील 20 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश से मिले 167 से के लक्ष्य के जवाब में भारतीय ओपनर टी. दुर्गा राव और नकुला बड़ानायक ने तेज शुरुआत की और 8.3 ओवर में 95 रन बना डाले। नकुला 24 गेंदों पर 36 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन दुर्गा राव तेजी से रन बनाते रहे और जब वह 12वें ओवर में रिटायर आउट हुए तब तक भारत लक्ष्य से सिर्फ 15 रन दूर था।

उन्होंने 43 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 73 रन बनाए। कप्तान अजय कुमार रेड्डी और सुनील रमेश ने 13.1 ओवर में बिना किसी परेशानी के मैच खत्म कर दिया।

नेशंस कप : भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने दूसरे मैच में जापान को हराया

अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

वेलेंशिया । भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए चिली के बाद अपने दूसरे मैच में जापान को 2-1 से हरा दिया। इस प्रकार अब भारतीय टीम लगातार दूसरी जीत के साथ ही सबसे अधिक अंक लेकर पूल बी में नंबर एक पर पहुंच गयी है। भारतीय महिला टीम ने पहले मैच में चिली को 3-1 से हराया था। जापान के खिलाफ भारतीय टीम मैच में हावी रही। सलीमा टेटे ने चौथे ही मिनट में एक गोल दागकर टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। मध्यांतर तक भारत की एक गोल से बढ़त बनी रही। वहीं तीसरे क्वार्टर में ब्यूटी डुंगडुंग ने एक शानदार मैदानी गोल दागकर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 पहुंचा दिया। वहीं तीसरे क्वार्टर के तीसरे मिनट में जापान की ताकाशिमा रूइ ने एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद दोनो ही टीमों ने गोल के प्रयास किये पर कोई भी टीम सफल नहीं हुई ओर भारतीय टीम ने मुकाबला जीत लिया। अब जापान की टीम दो मैचों में एक जीत और एक हार के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

शाम सात बजे से शुरू होगा मैच

मुंबई ।

भारतीय महिला टीम बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में भी जीत के इरादे से उतरेगी। यह मुकाबला ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला जाएगा। पिछले मैच में सुपर ओवर में मिली जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। दोनो ही टीम अभी सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं ऐसे में यह मैच बेहद अहम रहेगा। भारतीय टीम को जीत के लिए इस मैच में भी बेहतर गेंदबाजी और बल्लेबाजी करनी होगी। पहले दो मैचों में भारतीय बल्लेबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया पर क्षेत्ररक्षकों और गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। भारतीय टीम सीरीज में अभी तक दो ही विकेट ले सकी जो सही नहीं कहा जा सकता। इसके अलावा कैच भी नहीं पकड़े जा सके। तेज गेंदबाज मेघना सिंह ने काफी रन दिये और बायें हाथ की तेज गेंदबाज अंजलि सरवानी शुरूआती विकेट नहीं दिला पायीं। रेणुका ठाकुर को भी अभी तक दोनो मैच में एक भी विकेट नहीं मिल सका है। स्पिनर देविका वैद्य भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। बल्लेबाजी के दौरान हालांकि उन्होंने कुछ अच्छे शॉट लगाये हैं। यस्तिका भाटिया के नहीं होन से बल्लेबाज जेमिमा रौड्रिग्स को पारी की शुरुआत में अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। वहीं इसके अलावा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को भी तेजी से खेलना होगा। वहीं दूसरी ओर मेहमान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली भी बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगी। टीम किसी भी हालत में यह मैच जीतना चाहेगी। सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी से टीम को इस बार भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

ऑस्ट्रेलियाई टीम :

एलिसा हीली (कप्तान) तहलिया मैकग्रा (उप कप्तान) डार्सी ब्राउन निकोला कैरी एशले गार्डनर किम गार्थ हीथर ग्राहम ग्रेस हैरिस जेस जोनासेन अलाना किंग फोबे लिचफील्ड बेथ मूनी एलिसा पैरी मेग शट और अनाबेल सदरलैंड।

भारतीय टीम :

हरमनप्रीत कौर (कप्तान) स्मृति मंधाना (उप कप्तान) शेफाली वर्मा यास्तिका भाटिया जेमिमा रोड्रिग्स दीप्ति शर्मा राधा यादव राजेश्वरी गायकवाड़ रेणुका सिंह ठाकुर मेघना सिंह अंजलि सरवनी देविका वैद्य एस मेघना ऋचा घोष और हरलीन देओल।

संक्षिप्त समाचार

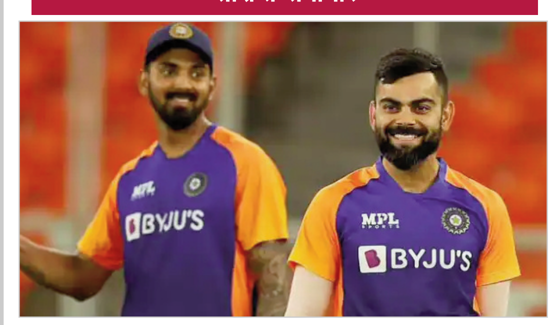

राहुल को विराट से बेहतर पदर्शन की उम्मीदें

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के कार्यवाहक कप्तान बने लोकेश राहुल ने पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। राहुल ने कहा कि कोहली का टेस्ट क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन आना अभी बाकि है। टेस्ट क्रिकेट में विराट ने अंतिम बार साल 2019 में ईडन गार्डन्स के मैदान में बांग्लादेश के खिलाफ ही शतक लगाया था। अब वह एक बार फिर बांग्लादेश के खिलाफ ही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में शतक लगा सकते हैं। राहुल ने कोहली का बचाव करते हुए कहा कि भारतीय टीम ने इस साल ज्यादा टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है इसलिए अभ्यास की भी कमी हुई है। राहुल ने कहा हमने इस साल बहुत अधिक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है हालांकि विराट अच्छी फॉर्म में है। उन्होंने टी20 क्रिकेट में हमारे लिए पिछले दिनों अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में समाप्त हुई एकदिवसीय सीरीज में भी एक शतक लगाया था जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसका लाभ उन्हें टेस्ट मैच में भी मिलेगा। वह टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी है और जानता है कि कब क्या करना है। उनकी मानसिकता और रवैया हमेशा एक जैसा रहा है। खेल के लिए उनके पास जो जुनून है वह टीम के लिए जो प्रतिबद्धता देते हैं वह हर किसी के लिए देखने लायक है। वह एक महान खिलाड़ी हैं। उन्होंने हमेशा रन बनाने के नये तरीके खोजे हैं और मुझे भरोसा है कि इस बार भी वह फिर से ऐसा ही करेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अंगुली में चोट लग गयी थी जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गये। ऐसे में राहुल को कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। वहीं रोहित की जगह पर बंगाल के सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को टीम में शामिल किया गया है। राहुल को उम्मीद है कि रोहित दूसरे टेस्ट से वापसी में सफल होंगे।

उनादकट को शायद ही अंतिम ग्यारह में जगह मिले : कार्तिक

नई दिल्ली । अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को बांग्लादेश के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलेगी। इस मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर है। ऐसे में उनादकट को भारतीय दल में शामिल किया गया है। उनादकट ने हाल में हुई विजय हजार ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। कार्तिक ने कहा मुझे नहीं लगता कि उनादकट यह सीरीज खेल पाएंगे क्योंकि टीम में पहले ही शार्दुल ठाकुर मोहम्मद सिराज और उमेश यादव जैसे खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में शामिल होना ही बड़ी उपलब्धि होती है। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले टेस्ट में अगर बुमराह और शमी की वापसी होती है तो तो उनादकट के लिए टीम में जगह बनाना कठिन हो जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा पिछले कुछ साल में भारतीय घरेलू क्रिकेट में उनादकट सबसे बेहतर तेज गेंदबाज के तौर पर उभरे हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में उनादकट सौराष्ट्र टीम के कप्तान थे। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 10 मैचों में कुल 19 विकेट लिए हैं। भारतीय घरेलू क्रिकेट में सबसे सफल तेज गेंदबाजों में से एक उनादकट ने अपने 96 मैचों के करियर में 353 विकेट लिए हैं।

आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में ताहलिया शीर्ष पर पहुंची मंधाना को तीसरा स्थान

गेंदबाजी रैंकिंग में सोफी नंबर एक पर पहुंची दीप्ति और रेणुका शीर्ष पांच में शामिल

दुबई ।

अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ताहलिया मैकग्रा विश्व की नंबर एक बल्लेबाज बन गई हैं। ताहलिया अंतराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली ऑस्ट्रेलिया की दूसरी और कुल 12वीं बल्लेबाज बनीं। उन्होंने तीन पायदान ऊपर आते हुए अपने ही देश की मेग लेनिंग और बेथ मूनी को पीछे छोड़ते हुए नंबर एक स्थान हासिल किया। मूनी इस साल तीन अगस्त को लेनिंग को पीछे छोड़कर विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनने के बाद से ही शीर्ष पर थीं। अब मूनी दूसरे जबकि भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर पहुंच गयी हैं।मंधाना ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में करियर की सर्वश्रेष्ठ 741 रेटिंग अंक हासिल किए। स्मृति को 11 रेटिंग अंक का लाभ हुआ है। वहीं भारत के खिलाफ इस श्रृंखला के शुरुआती दो मैच में शानदार प्रदर्शन की बदौलत ताहलिया दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज बनी हैं। आईसीसी के अनुसार 40 और 70 रन की पारियों की बदौलत महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली ताहलिया केवल 16 मैच खेलने के बाद दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज बन गई हैं। इससे पहले 2010 में वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर सिर्फ 15 मैच खेलने के बाद दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज बनीं थी। वहीं भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली ने सबसे कम समय लिया था। शेफाली ने 18 मैच में यह उपलब्धि हासिल की है। भारत की शेफाली और जेमिमा रोड्रिग्स भी टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं। जेमिमा को एक स्थान का लाभ हुआ है और वह छठे स्थान पर हैं। वहीं गेंदबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में इंग्लैंड की लेग स्पिनर सारा ग्लेन एक स्थान के लाभ से हमवतन सोफी एकलेस्टोन के पीछे दूसरे स्थान पर हैं। भारत की दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह तीसरे और चौथे स्थान पर बनी हुई हैं।

आईसीसी ने रावलपिंडी की पिच को औसत से निचले दर्जे का करार दिया

दुबई । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को करारा झटका लगा है। इसका कारण है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रावलपिंडी की पिच को औसत से नीचे का करार दिया है। इस पिच को आठ माह में दूसरी बार नकारात्मक अंक मिला है। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हुए मैच में इस पिच पर गेंदबाजों को किसी भी प्रकार की सहायता नहीं मिली थी। इसी कारण मैच में सात शतक लगे और इंग्लैंड ने 74 रन से जीत दर्ज की। इस स्टेडियम को एक नकारात्मक अंक भी मिला है। यह आठ महीने के अंदर दूसरी बार है जब स्टेडियम को नकारात्मक मिला है। अंक दिया गया है। इससे पहले पाक और आस्ट्रेलिया के बीच मार्च में हुए पहले टेस्ट में भी पिच को औसत से नीचे का माना गया था। आईसीसी के अनुसार 'आईसीसी एलीट पेनल के मैच रैफरी एंडी पायक्राफ्ट ने इस स्टेडियम की पिच को औसत से नीचे का बताया है। इसे एक नकारात्मक अंक दिया गया है। पायक्राफ्ट ने कहा 'इस पिच से गेंदबाजों को किसी तरह की सहायता नहीं मिली। यही वजह है कि बल्लेबाजों ने तेजी से और काफी रन बनाए। मैच के दौरान पिच टूटी भी नहीं। पिच औसत से नीचे होने पर स्टेडियम को एक डिमेरिट अंक झेलना पड़ता है जबकि पिच खराब या अनफिट करार दिए जाने पर तीन और पांच नकारात्मक अंक दिये जाते हैं।

हॉकी इंडिया ने विश्व कप मैचों के लिए घोषित की टिकटें

भुवनेश्वर । हॉकी इंडिया ने उड़ीसा में साल की शुरुआत में होने वाले पुरूष हॉकी विश्व कप के लिए टिकटों की घोषणा कर दी है। विश्व कप भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 से 29 जनवरी के बीच खेला जाएगा। हॉकी इंडिया ने विश्वकप के लिए टिकटों की घोषणा करते हुए अपने बयान में कहा''भारत के मैचों के लिये वेस्ट स्टैंड की टिकट 500 रूपये ईस्ट स्टैंड की 400 और नॉर्थ व साउथ स्टैंड की टिकट 200 रूपये की होगी। वहीं दूसरी टीमों के मैचों के लिये वेस्ट स्टैंड की टिकट 500 रूपये ईस्ट स्टैंड की 200 और नॉर्थ तथा साउथ स्टैंड की 100 रूपये की होगी। इसमें कहा गया''क्वालीफायर्स से फाइनल तक वेस्ट स्टैंड की टिकट 500 रूपये ईस्ट स्टैंड की 400 और नॉर्थ तथा साउथ स्टैंड की 200 रूपये की होगी। हॉकी इंडिया ने साथ ही कहा''नौवें से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मैचों के लिये वेस्ट स्टैंड की टिकट 500 रूपये ईस्ट स्टैंड की 200 और नॉर्थ तथा साउथ स्टैंड की 100 रूपये की होगी। दर्शक हर टिकट से उस दिन के सभी मैच देख सकेंगे।

बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध पर फैसला 21 दिसंबर को

रहाणे-ईशांत होंगे बाहर सूर्यकुमार और शुभमन और पांड्या को मिलेगा प्रमोशन

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस बार टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे और तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को सालाना केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर सकता है। वहीं शानदार प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और शुभकन गिल को अनुबंध में प्रमोशन मिल सकता है। अनुबंध पर अंतिम फैसला 21 दिसंबर को केंद्रीय अनुबंध बोर्ड की शीर्ष परिषद की बैठक के दौरान लिया जाएगा। इस बैठक में 12 एजेंडे होंगे जिसे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। वहीं पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन के साथ ही अवसर मिलने पर अच्छी कप्तानी करने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को ग्रुप सी से ग्रुप बी में प्रोमोट किया जा सकता है। टी20 विश्व कप और बांग्लादेश एकदिवसीय में भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा एजेंडे का हिस्सा नहीं है पर अगर जरूरी समझा जाये तो गैर-सूचीबद्ध मुद्दों पर चर्चा के लिए विचार किया जा सकता है। इसके तहत पूर्व उप-कप्तान रहाणे और तेज गेंदबाज ईशांत को नई सूची से बाहर किया जाएगा। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा को भी सूची से बाहर कर दिया जाएगा क्योंकि अब उन्हें टीम में शामिल नहीं किया जाएगा।

ग्रेडेशन सिस्टम

वहीं ग्रेडेशन सिस्टम निर्धारित करने के लिए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के परामर्श से बीसीसीआई द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई मेट्रिक्स हैं। ए प्लस और ए दो श्रेणियां हैं जहां खिलाड़ी या तो ऑल-फॉर्मेट वाले होते हैं या टेस्ट में खेलते हैं और साथ ही दो व्हाइट-बॉल प्रारूपों में से एक में होते हैं। वहीं ग्रुप बी में होने के लिए एक क्रिकेटर को कम से कम दो प्रारूप खेलना होता हैं जबकि ग्रुप सी मुख्य रूप से सिंगल-फॉर्मेट खिलाड़ियों के लिए होता है। इसके अलावा किसी को सूची में शामिल करने के लिए एक निश्चित संख्या में अंतरराष्ट्रीय खेल (प्रति प्रारूप) खेलने की जरूरत है। प्रोमोशन हालांकि प्रदर्शन आधारित है और आईसीसी रैंकिंग को भी ध्यान में रखा जाता है।

केंद्रिय अनुबंद और उसकी राशि

- **ए प्लस अनुबंध - 7 करोड़ रुपए**
- **ग्रुप ए - 5 करोड़ रुपए**
- **ग्रुप बी - 3 करोड़ रुपए**
- **ग्रुप सी - एक करोड़ रुपए**

बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही टेस्ट में द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं विराट

पुजारा और अश्विन भी हासिल कर सकते है नई उपलब्धि

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली चेतेश्वर पुजारा और भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में नये रिकार्ड बना सकते हैं। विराट पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का रिकार्ड तोड़ सकते हैं। कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ केवल पांच पारियों में ही 392 रन बनाए हैं। उनका औसत दो शतकों के साथ 78.40 है। कोहली इस सूची में केवल द्रविड़ से पीछे हैं। कोहली को द्रविड़ से आगे निकलने के लिए केवल 169 रनों की जरूरत है। द्रविड़ ने बांग्लादेश के खिलाफ 10 पारियों में 560 रन बनाए हैं। ऐसे में विराट चटोग्राम में खेले जाने वाले पहले टेस्ट में भी अच्छी पारी खेलकर द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ना चाहेंगे। वहीं इस टेस्ट सीरीज में बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के पास भी एक रिकॉर्ड बनाने का अच्छा अवसर होगा। पुजारा टेस्ट क्रिकेट में सा हजार रन बनाने से केवल 208 रन दूर हैं। इसी तरह भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की भी नजरें 450 के आंकड़े पर नजर होगी। उनसे आगे अभी अनिल कुंबले (619) ही हैं। वहीं भारत और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज की बात की जाए तो दोनों टीमों में अब तक 11 टेस्ट मैच हुए हैं जिनमें से नौ में भारत ने जीत दर्ज की है जबकि दो ड्रॉ रहे हैं। भारत ने अपने अंतित तीन टेस्ट मैच जीते हैं। भारत ने ईडन गार्डन्स में 2019 के डे/नाइट टेस्ट में बांग्लादेश को हराया। उसके बाद टेस्ट सीरीज के दोनों टेस्ट उन्होंने पारी से जीते थे।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

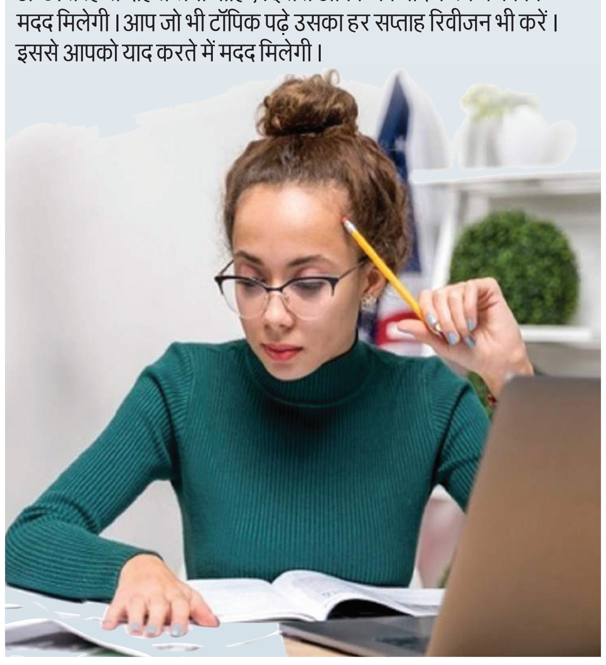

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स–रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि–उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट–अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहित है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकंाश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफकिट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

ट्विटर में भी चलेगा अब भाई-भतीजावाद, मस्क ने चाचा के लड़कों को किया हायर तो उठे सवाल

लंदन। ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क ने सोशल नेटवर्क पर अपने दो चचेरे भाइयों को नौकरी दी है। एंड्रयू मस्क और जेम्स मस्क एलन मस्क के अंकल के बेटे हैं। कि एंड्रयू मस्क ट्विटर पर सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग परियोजनाओं में लगे हुए हैं। क्रंचबेस के मुताबिक उन्होंने एलोन मस्क की एक और कंपनी न्यूरालिंक में भी काम किया है। जेम्स मस्क की नौकरी का विवरण अस्पष्ट है। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार ट्विटर पर मदद करने के लिए अपने कई विश्वासपात्रों को लाने वाले एलोन मस्क की रिपोर्ट सामने आई है। सीएनबीसी के मुताबिक, उन्होंने सोशल नेटवर्क के भीतर काम करने के लिए टेस्ला और स्पेसएक्स के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया। उनके अलावा, 50 टेस्ला इंजीनियरों, ज्यादातर ऑटोपायलट से, मस्क के अधिग्रहण के तुरंत बाद ट्विटर पर काम करने के लिए हरी झंडी दे दी गई थी। मस्क के लंबे समय तक वकील रहने वाले एलेक्स स्पिरो ने भी ट्विटर की अहम भूमिका निभाई थी। मस्क ने ट्विटर का नया मालिक बनने के तुरंत बाद ट्विटर में व्यापक परिवर्तन किए। उनका कार्यकाल बड़े पैमाने पर छंटनी के साथ शुरू हुआ, जिसने ट्विटर के 7,500 कर्मचारियों के लगभग 50 प्रतिशत को प्रभावित किया। शेष कर्मचारियों को कहा गया कि यदि वे बने रहना चाहते हैं तो 卐कट्टर卐 कार्य संस्कृति के लिए प्रतिबद्ध हों। ऑनलाइन, मस्क ने भड़काऊ टिप्पणियों के लिए निलंबित खातों को बहाल कर दिया है और खाता सत्यापन में बदलाव किए हैं।

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार चार दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे

कोलंबो । भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार चार दिवसीय यात्रा पर कोलंबो पहुंचे। उनकी यात्रा का उद्देश्य भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय समुद्री सहयोग बढ़ाना है। भारतीय नौसेना का स्वदेशी आईएनएस सह्याद्री' भी नौसेना प्रमुख की यात्रा के मद्देनजर कोलंबो के बंदरगाह पर पहुंचा। यह पोत श्रीलंकाई नौसेना के साथ प्रशिक्षण में शामिल होगा और दोनों देश समुद्री साझेदारी अभ्यास करेगा। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने कहा कि एडमिरल कुमार श्रीलंकाई नौसेना के कमांडर वाइस एडमिरल निशांथा यू. के निमंत्रण पर पहुंचे हैं। एडमिरल कुमार की यात्रा दोनों पड़ोसी देशों के बीच मजबूत संबंधों और घनिष्ठ सहयोग का प्रतीक है। इसमें कहा गया है कि इस यात्रा से दोनों देशों के मौजूदा द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को और मजबूती मिलेगी।

हांगकांग में जिम्मी लई के खिलाफ फिर टली राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुकदमे की सुनवाई

हांगकांग । हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक प्रकाशक जिम्मी लई के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक मुकदमे की सुनवाई मंगलवार को फिर से टल गई। उन्हें मुकदमे में एक ब्रिटिश वकील की सेवा लेने से रोकने के लिए चीन के फैसले का इंतजार किया जा रहा है। शहर के लोकतंत्र समर्थक आंदोलन पर कार्रवाई के दौरान अगस्त 2020 में गिरफ्तार किए गए जिम्मी लई राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोपों का सामना कर रहे हैं। अब बंद हो चुके लोकतंत्र समर्थक अखबार के 75 वर्षीय संस्थापक लई को बीजिंग द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दोषी करार दिए जाने की स्थिति में उम्र कैद की सजा हो सकती है। उन पर मुकदमे की सुनवाई मूल रूप से एक दिसंबर को शुरू होनी थी लेकिन हांगकांग के नेता जॉन ली ने चीन की शीर्ष विधाई संस्था से इस विषय पर निर्णय करने को कहा है कि क्या ऐसे विदेशी वकीलों को राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में पैरवी करने की अनुमति दी जा सकती है जो आम तौर पर हांगकांग में वकालत नहीं करते हैं। इससे कुछ घंटे पहले शहर की शीर्ष अदालत ने जिम्मी लई को मानवाधिकार मामलों के नामी वकील टिमोथी ओवेन की सेवाएं लेने की अनुमति दे दी। अगर चीन हस्तक्षेप करता है तो यह छठी बार होगा जब सरकार अपने वादों को नजरअंदाज करेगी। चीन की सरकार ने हांगकांग की न्यायिक स्वतंत्रता और नागरिक स्वतंत्रताओं का वादा किया था। चीन की शीर्ष विधाई संस्था के दिसंबर के अंत तक बैठक करने की संभावना है। जिम्मी लई पर हांगकांग या चीन के खिलाफ अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियों में दूसरों के साथ मिलकर साजिश करने का आरोप है। उन पर विदेशी ताकतों के साथ साठगांठ कर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का भी आरोप है। इसके अलावा उनपर राजद्रोह का भी आरोप है। अनधिकृत सभाओं में भूमिका निभाने के लिए 20 महीने की जेल की सजा पूरी करने के बाद लई को धोखाधड़ी के आरोप में शनिवार को पांच साल और नौ महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी।

ऑस्ट्रेलिया में दो पुलिस अधिकारियों सहित छह लोगों की गोली मारकर हत्या

ब्रिस्बेन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के ग्रामीण इलाके में दो पुलिस अधिकारियों सहित छह लोगों की गोली मारकर हत्या की गई। पुलिस अधिकारी एक व्यक्ति के लापता होने की शिकायत की जांच के सिलसिले में मौके पर पहुंचे थे। पुलिस ने बताया कि हिंसा शाम करीब पौने पांच बजे हुई जब चार अधिकारी क्वींसलैंड राज्य में एक दूरस्थ संपत्ति पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम दो हमलावरों ने वाईंबिला में ग्रामीण इलाके में पुलिस अधिकारियों पर गोलियां चलाईं।

पुलिस ने बताया कि उन्होंने जवाबी कार्रवाई की लेकिन दो अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति की भी गोली लगी और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शुरुआती गोलीबारी में एक अन्य अधिकारी को गोली लग गई जबकि एक अन्य अधिकारी वहां से जान बचाकर निकलने में सफल रहा। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद विशेष पुलिस अधिकारियों और हवाई बल को सहायता के लिए बुलाकर घटनास्थल की घेराबंदी की गई।

इसके बाद रात करीब साढ़े 10 बजे के बाद पुलिस के साथ एक अन्य मुठभेड़ में दो पुरुषों तथा एक महिला की मौत हो गई। दुर्भाग्य से हाल में किसी एक घटना में हताहत हुए यह सबसे अधिक लोग हैं। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा वाईंबिला में भयानक दृश्य।

राष्ट्रपति डिना बोलुआर्टे ने चुनाव करने की प्रदर्शनकारियों की मांग मानी

लीमा । पेरू की राष्ट्रपति डिना बोलुआर्टे ने चुनाव कराने की प्रदर्शनकारियों की मांग मानने की घोषणा की। बोलुआर्टे के इस्तीफे की मांग को लेकर हजारों प्रदर्शनकारी सड़क पर उतर आए थे इसके बाद राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि वह चुनाव कराने के लिए कांग्रेस को प्रस्ताव भेजेंगी। बोलुआर्टे की घोषणा के बावजूद प्रदर्शनकारी शांत नहीं हुए। उनके संबोधन के कुछ घंटों बाद प्रदर्शनकारियों ने दक्षिणी पेरू में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक जाने के मार्ग को अवरुद्ध कर उसके 'रनवे' पर एकत्रित हो गए। बोलुआर्टे ने कहा कि वह अप्रैल 2024 के लिए आम चुनाव का प्रस्ताव रखेंगी जबकि इससे पहले उन्होंने कहा था कि उन्हें उनके पूर्ववर्ती राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो के शेष साढ़े तीन साल के कार्यकाल के लिए पद पर बने रहना चाहिए। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि प्रदर्शन के दौरान आंदेज समुदाय के कम से कम दो लोगों की मौत हो गई।

विषाक्त मृत पशुओं को खाने से तीन बाज की मौत 10 बीमार

वाशिंगटन। अमेरिका के मिनेसोटा में जहर देकर मारे गए जानवरों को खाने से कम से 13 'बाल्ड बाज बीमार पड़ गए और उसमें से तीन की मौत हो गई। मिनेसोटा के एक ढलाव घर में अनुचित तरीके से इन मृत जानवरों को फेंका गया था। खबरों के अनुसार इस महीने मिनियापोलिस के उपनगर इन्वर ग्रोव हाइट्स में पाइन बेंड लैंडफिल के समीप इन बाजों के पाए जाने के बाद संघीय वन्यजीव अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

जकार्ता में अमेरिकी दूतावास में मिले उत्तर कोरिया मामले में अमेरिकी विशेष प्रतिनिधि संग किम दक्षिण कोरियाई विशेष प्रतिनिधि किम गुन व जापानी विदेश मंत्रालय के महानिदेशक फुनकोषी तकेहीरो अमेरिकी दूतावास में मिले।

जी7 देशों ने भारत की जी20 अध्यक्षता का किया समर्थन, कहा कि वे सभी के लिए बेहतर एवं सतत भविष्य का समर्थन करते हैं

वाशिंगटन। जी-7 के सदस्य देशों ने भारत की जी-20 अध्यक्षता का समर्थन किया है और न्यायसंगत दुनिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। जी-7 देशों के नेताओं ने सोमवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि वे सभी के लिए बेहतर एवं सतत भविष्य का समर्थन करते हैं। जी-7 देशों के नेताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा, ''जर्मनी की अध्यक्षता में जी-7 देशों ने अपने अन्य अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर हमारे समय की प्रमुख प्रणालीगत चुनौतियों और तत्काल संकट से मिलकर निपटने का अपना संकल्प दिखाया है। हमारी प्रतिबद्धताओं और कदमों ने एक न्यायसंगत दुनिया की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया है।'' बयान में कहा गया है कि जी-7, जी-20 में भारत की अध्यक्षता का समर्थन करता है। इसमें कहा गया कि जी-7 एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और सतत भविष्य के पुनर्निर्माण के लिए मजबूती से, एकजुट होकर और पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका जी-7 के सदस्य देश हैं। भारत ने एक दिसंबर से जी-20 की अध्यक्षता औपचारिक रूप से संभाली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि भारत 卐एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य卐 के विषय से प्रेरित होकर एकता को बढ़ावा देने के लिए काम करेगा और आतंक, जलवायु परिवर्तन, महामारी को सबसे बड़ी चुनौतियों के तौर पर सूचीबद्ध करेगा जिनका एक साथ मिलकर बेहतर तरीके से मुकाबला किया जा सकता है।

तवांग में झड़प के बाद चीन की तरफ से आया बड़ा बयान, भारतीय सीमा पर स्थिति को लेकर कही ये बात

बीजिंग (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी घुसपैठ की कोशिश और भारतीय सेना की तरफ से मिले करारा जवाब के बाद अब ड्रैगन की तरफ से पूरे मामले पर पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। समाचार एजेंसी एएफपी ने बताया कि झड़प की खबरों के बाद चीन ने कहा कि भारत सीमा पर स्थिति 'स्थिर' है। 9 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवान सेक्टर में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने होने के बाद चीन की यह पहली प्रतिक्रिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, 'जहां तक हम समझते हैं, चीन-भारत सीमा की स्थिति समग्र रूप से स्थिर है।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, दोनों पक्षों ने 'कूटनीतिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से सीमा मुद्दे पर अबाधित बातचीत बनाए रखी।

भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि 9 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। सेना ने कहा कि आमने-सामने होने के कारण भारतीय और चीनी दोनों सैनिकों को 'मामूली चोटें' आई हैं। सूत्र ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में नुकीले डंडों और लाठियों से लैस 200 से अधिक चीनी सैनिकों की भारतीय सैनिकों से झड़प हो गई। पूर्वी लद्दाख में दोनों पक्षों के बीच 30 महीने से अधिक समय से जारी गतिरोध के बीच पिछले शुक्रवार को एलएसी के पास यांग्त्से के पास झड़प हुई थी।

सेना ने एक बयान में कहा, 'पीएलए के सैनिकों ने तवांग सेक्टर में एलएसी से संपर्क किया, जिसका अपने (भारतीय) सैनिकों ने दृढ़ता और दृढ़ तरीके से मुकाबला किया। इस आमने-सामने की लड़ाई में दोनों पक्षों के कुछ कर्मियों को मामूली चोटें आईं। दोनों पक्ष तुरंत क्षेत्र से हट गए। घटना की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, क्षेत्र में अपने कमांडर ने शांति और शांति बहाल करने के लिए संरचित तंत्र के अनुसार इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए अपने समकक्ष के साथ एक फ्लैग मीटिंग की।

भारत 2030 तक 30 प्रतिशत भूमि और जल की रक्षा के लक्ष्य को हासिल कर लेगा

आटोवा (एजेंसी)। कनाडा में सीओपी15 जैव विविधता सम्मेलन में भारत की नुमाइंदगी कर रहे वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत का करीब 27 फीसदी क्षेत्र संरक्षित है और वह 2030 तक 30 प्रतिशत भूमि और जल की रक्षा के लक्ष्य को आसानी से पा लेगा है। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) के सचिव जे. जस्टिन मोहन ने कहा कि भारत 113 देशों के 'हाई एम्बिशन कोलिशन (एचएसी) का सदस्य है जिसका मकसद 30 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र को 2030 तक संरक्षित करना है। संरक्षित वन राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव अभयारण्य मैनग्रोव रामसर स्थल पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र और सामुदायिक रूप से संरक्षित क्षेत्र सहित भारत ने पहले ही करीब 27 फीसदी क्षेत्र संरक्षित कर लिया है। भारत 2030 में आसानी से '30 गुणा 30' का लक्ष्य हासिल कर सकता है। ओईसीएमएस वे इलाके होते हैं जो निजी तथा सार्वजनिक संस्थाओं द्वारा संरक्षित होते हैं।

इस बारे में मोहन ने कहा भारत में ओईसीएमएस के लिए असीम संभावना है इससे अपने 30 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र को संरक्षित करने के हमारे लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। भारत के राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) के पूर्व अध्यक्ष विनोद माथुर ने कहा कि भारत ने ओईसीएमएस को परिभाषित करने के लिए 14 श्रेणी की वर्गीकरण प्रणाली बनाई है। उन्होंने कहा कि हालांकि इन ओईसीएमएस को संरक्षित करने के लिए स्थानीय समुदाय को जागरूक करने की आवश्यकता है।

मोहन ने कहा भारत के पास सभी स्थानीय निकाय में स्थापित 277123 जैव विविधता प्रबंधन समितियां हैं। हमारी वन्य पारिस्थितिकी के बाहर और इलाकों को जैवविविधता धरोहर स्थलों के तहत लाने की असीम संभावना है। उन्होंने कहा ये इलाके औषधीय पौधों और पक्षी से समृद्ध हो सकते है।

लंबित मामलों के शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए तमिल राजनीतिक दल राष्ट्रपति से करेंगे मुलाकात

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के तमिल राजनीतिक दल लंबित मामलों पर शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए आज यानी मंगलवार को यहां राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने बताया कि तमिल नेशनल एलायंस (टीएनए) के प्रतिनिधि, तमिल प्रोग्रेसिव फ्रंट, तमिल नेशनल पीपुल्स फ्रंट और तमिल नेशनल पीपुल्स एलायंस के प्रतिनिधि आज शाम विक्रमसिंघे से मुलाकात करेंगे। विक्रमसिंघे ने 10 नवंबर को संसद को संबोधित करते हुए कहा था कि श्रीलंका को अपने आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है और उन्होंने देश की तमिल अल्पसंख्यक पार्टियों को लंबित मुद्दों पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया था।

विक्रमसिंघे ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा था, ''हमें अपने देश के मामलों में किसी और के दखल की जरूरत नहीं है। हम अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा था, ''मैं आप सभी को अगले सप्ताह बातचीत करने और स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ से पहले सभी लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए आमंत्रित करता हूं।'' श्रीलंका चार फरवरी 2023 को देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाएगा।

ढाका में पीएम शेख हसीना का क्यों हो रहा विरोध, किस ओर जाते दिख रहे हैं बांग्लादेश के हालात?

ढाका (एजेंसी)। 14 साल से सत्ता से बाहर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ढाका केगोलाबाग मैदान में एक विशाल रैली का आयोजन किया। हजारों की संख्या में बीएनपी कार्यकर्ता और समर्थक आम चुनाव से पहले शक्ति प्रदर्शन की मंशा से एकत्र हुए। मुख्य विपक्षी दल ने इसके खिलाफ सरकार की कड़ी कार्रवाई, आर्थिक शिकायतों और प्रधानमंत्री शेख हसीना की कथित सत्तावादी शैली के खिलाफ लोगों को लामबंद किया।

रैलियों का महीना

ढाका रैली में हजारों लोगों ने भाग लिया, देश भर में बीएनपी द्वारा इस तरह के विरोध राजशाही, चटगांव, मैमनसिंह, खुलना, रंगपुर, बरिसाल, फरीदपुर, सिलहट और कोमिला में पिछले एक महीने में देखने को मिले हैं। ढाका सहित हर रैली में, मंच पर दो कुर्सियाँ खाली रखी जाती थीं - एक पार्टी नेता और अध्यक्ष खालिदा ज़िया के लिए, जिन्हें 2017 में सात साल के लिए जेल में डाल दिया गया था, 2020 में उनकी सजा को इस शर्त पर निलंबित कर दिया गया था कि वह ढाका नहीं छोड़ेंगी। दूसरी कार्यवाहक चेयरपर्सन और उनके बेटे तारिक रहमान के लिए, जो 2004 में हसीना हत्या के प्रयास

मामले में आजीवन कारावास की सजा के बाद स्व-निर्वासन में लंदन में रह रहे हैं।

सरकार की प्रतिक्रिया

महीने भर की लामबंदी ने 2023 के राष्ट्रीय चुनावों से पहले बांग्लादेश में राजनीतिक गर्मी बढ़ा दी है। न तो सरकार और न ही अवामी लीग ने मांगों पर आधिकारिक रूप से प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, अवामी लीग के सदस्यों ने सवाल किया है कि बीएनपी चार साल से संसद में क्या कर रही थी, अगर उन्हें लगता है कि चुनाव में धांधली हुई थी। का रैली से पहले के हफ्तों में, देश भर से कई बीएनपी सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। पार्टी कार्यालय के बाहर पुलिस से झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। रैली से एक दिन पहले, बीएनपी के दो शीर्ष नेताओं, पार्टी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर और स्थायी समिति के सदस्य मिर्जा अब्बास को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने हालांकि रैली की अनुमति दे दी थी।

कट्टरपंथियों के हाथ में जाएगा बांग्लादेश?

एक नेतृत्व शून्य से पीड़ित और जमात-ए-इस्लामी के साथ संबद्ध होने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम एक पार्टी जिसने बांग्लादेश की मुक्ति की कोशिश करने और उसे विफल करने के लिए पाकिस्तानी सेना के साथ सहयोग किया था। बीएनपी पिछले 15 वर्षों से बिना चुनाव जीते भटकती रही है। जेआई और अन्य इस्लामी पार्टियों के साथ इसके संबंध ने इसे धर्मनिरपेक्ष बांग्लादेशी मतदाताओं के एक बड़े वर्ग का समर्थन खो दिया था। पार्टी ने कई महीनों की हड़ताल और विरोध के बाद 2014 के चुनाव का बहिष्कार किया, जिसने देश को अब उसी मांग पर पंगु बना दिया था - चुनाव कराने के लिए एक कार्यवाहक सरकार। 2012 में, दोनों पक्षों ने 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान कार्रवाई के लिए युद्ध अपराध न्यायाधिकरण की कार्यवाही का विरोध किया था।

फीफा के बाद कैमल फ्लू फैलने की संभावना, घातक बीमारी को लेकर ब्रिटेन में फैली दशहत

दोहा (एजेंसी)। इंग्लैंड में इन दिनों कैमल फ्लू के मामले सामने आ रहे है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि फीफा विश्व कप के प्रशंसकों के कतर से लौटने के बाद लोगों में घातक कैमल फ्लू के लक्षण देखने को मिल रहे है। इसके बाद इंग्लैंड में चिकित्सा कर्मचारियों को अलर्ट पर रखा गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि टूर्नामेंट के लिए कई फुटबॉल प्रशंसक कतर गए थे, जहां वो ऊटों के संपर्क में आए है। इस कारण यहां कैमल फ्लू के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) ने डॉक्टरों को सांस लेने में कठिनाई और बुखार से पीड़ित लोगों की तलाश करनी शुरू की है। रिपोर्ट के अनुसार कैमल फ्लू कोविड 19 से कहीं अधिक घातक है। इससे संक्रमित एक तिहाई से अधिक रोगियों की मौत हो जाती है। वहीं कोरोना वायरस संक्रमितों में चार प्रतिशत से भी कम की मौत का आंकड़ा मिलता है।

ये भी कहा गया है कि डॉक्टरों और स्वास्थ्य टीमों को खास तौर पर विश्व कप से लौटने वाले पर्यटकों को लेकर सावधानी बरतनी होगी। इन सभी की खास जांच पड़ताल करने और MERS के प्रति

सतर्कता बरतना भी काफी अहम होगा। कहा जा रहा है कि ब्रिटेन के निवासियों के लिए कैमल फ्लू के संक्रमण का जोखिम काफी कम है। उन लोगों में ये जोखिम काफी अधिक हो सकता है जो ऊंटों के संपर्क में आए हों। ये भी कहा जा रहा है कि MERS उन लोगों के लिए किया जाएगा जो ऊंटों के नजदीक से संपर्क में आते हैं। या जो आमतौर पर ऊंट के उत्पादों या दूध का सेवन करते है।

बता दें कि कतर में इस वर्ष अब तक कैमल फ्लू के दो मामले दर्ज किए जा चुके है। ये भी कहा गया है कि दोनों मामलों में मरीज ऊंटों के संपर्क में आए थे। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2012 से अक्टूबर 2022 के बीच 12 देशों में 2,600 मामले सामने आए हैं। इनमें से 935 लोगों की मौत हुई है। हालांकि कतर में विश्व कप की शुरुआत से पहले भी कहा गया था कि कैमल फ्लू फैलने के खतरे के कारण ऊंटों के संपर्क में ना आएं।

रूस से भारत को तेल के निर्यात में 14 गुना हुई वृद्धि यूक्रेन के साथ जंग में फंसे रूस के लिए लाइफ लाइन बना भारत

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन पर फरवरी में भीषण हमले शुरू करने वाला रूस पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से बेहाल है। यूरोपीय देशों ने रूस से तेल और गैस का आयात कम कर दिया है। इससे ऊर्जा के बड़े निर्यातक रूस के सामने बड़ा संकट पैदा हो गया है। इस महासंकट की घड़ी में भारत ने अमेरिकी धमकी के बाद भी खुलकर रूस का साथ दिया है। आलम यह है कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से भारत को तेल के निर्यात में 14 गुना की बढ़ोत्तरी हुई है। रूस भारत को बेहद सस्ते दर से तेल मुहैया करा रहा है जिससे केंद्र सरकार को महंगाई रोकने में मदद मिली है।

भारत के रूस से तेल का आयात बढ़ाने पर यूक्रेन के विदेश मंत्री ने मोदी सरकार पर खुलकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि भारत को सस्ता तेल इसलिए मिल रहा है कि यूक्रेनी जनता भीषण रूसी हमले झेल रही है। भारत को रूसी तेल का निर्यात जहां 14 गुना बढ़ा है वहीं चीन को भी दो गुना हो गया है। इन दोनों ही खरीददारों की मदद से रूस को यूरोपीय देशों से हुए घाटे की भरपाई करने में मदद मिल रही है। भारत की इस मदद से रूस खुश है।

अमेरिकी दबाव के बाद भी तेल खरीदने पर रूस ने खुलकर भारत की तारीफ की है। भारत में रूस के उपराजदूत रोमन बाबूशकिन ने कहा कि भारत ने तेल खरीदने पर एक स्वतंत्र नीति अपनाई है। रूस ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब जी7 देश ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ ने रूसी तेल पर एक प्राइस कैप लगा दिया है। रोमन बाबूशकिन ने कहा कि यह पूरी तरह से मूर्खतापूर्ण हालात है जहां तेल के खरीदार दाम तय कर रहे हैं न कि विक्रेता। उन्होंने कहा कि रूस ऐसे किसी देश को तेल नहीं देगा जो तेल के दाम तय करने का समर्थन करता है। इससे पहले यूरोपीय और जी7 देश रूसी तेल का दाम 60 डॉलर प्रति बैरल तय करने पर सहमत हुए हैं। यह प्रतिबंध अगले साल 5 फरवरी से शुरू होने जा रहा है।

एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार को मिली जान से मारने की धमकी, आरोपी युवक गिरफ्तार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार को जान से मारने की धमकी मिली है। उनके मुंबई स्थित आवास पर कोई व्यक्ति बार-बार फोन कर धमकी दे रहा था। इस मामले में जांच पड़ताल में जुटी पुलिस ने बिहार से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। ये जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी है। जानकारी के मुताबिक गामदेवी थाने के एक अधिकारी एन सोनी को मुंबई पुलिस की टीम ने पटना से गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक को मुंबई ले जाया गया है। आरोपी युवक ने शरद पवार को अपशब्द भी कहे थे। वहीं शरद पवार ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है। पत्र में शिकायत की गई है कि कोई व्यक्ति फोन पर धमकी देता है। धमकी देने वाले शख्स के खिलाफ शरद पवार ने कार्रवाई करने की मांग की थी। वहीं शिकायत मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया है। पुलिस के मुताबिक सोनी कथित तौर पर पिछले तीन-चार महीने से पवार के सिल्वर ओक नामक आवास पर फोन कर रहा था। अधिकारी ने कहा कि आरोपी असभ्य भाषा का इस्तेमाल करता था और कुछ मौकों पर उसने ड्यूटी पर मौजूद कांस्टेबल को मुंबई आके देसी कट्टे से उड़ा दूंगा कहा। पुलिस ने उसके मोबाइल नंबर से उसकी पहचान की और उसे चेतावनी दी। अधिकारी ने कहा कि इसके बावजूद आरोपी फोन करता रहा, इसलिए भारतीय दंड संहिता की धारा 294 (अश्लील कृत्य) और 506-2 (आपराधिक धमकी) सहित संबंधित धाराओं के तहत सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की गई।

आरोपी ने किए एक दिन में कई कॉल : जानकारी के मुताबिक आरोपी व्यक्ति ने फोन कॉल पर असभ्य भाषा का उपयोग किया। दिन में उसके 20 से 30 कॉल शरद पवार के पास आते थे। आरोपी ने हर बार फोन पर हिंदी भाषा में बात की है।

पुलिस को मिली ये जानकारी : पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। व्यक्ति उत्तर भारत के किसी इलाके से ताल्लुक रखता है। पुलिस अब आरोपी युवक से पूछताछ कर पता करने की कोशिश करेंगी कि व्यक्ति ने ऐसा क्यों किया है।

2014 के बाद से चोरी गई 228 कलाकृतियां वापस लाई गईं : संस्कृति मंत्रालय

नई दिल्ली। संस्कृति मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि 2014 से 220 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियों को वापस लाया गया। संस्कृति मंत्रालय ने यह जानकारी मंगलवार को एक ट्वीट में दी। संस्कृति मंत्रालय ने ट्वीट किया जब से भारत आजाद हुआ तब से लेकर 2014 तक केवल 13 चोरी की कलाकृतियां बरामद की गई हैं। इसके विपरीत मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद से ऐसी 220 से अधिक कलाकृतियों को बरामद किया गया। मंत्रालय ने इसके साथ एक पोस्टर भी साझा किया जिसका शीर्षक 'हमारी विरासत घर लाना' (ब्रिंगिंग अवर हेरिटेज होम) है। दाई ओर यह उल्लेख किया गया है कि 2014 से 228 ऐसी कलाकृतियां वापस लाई गई जो चोरी चली गई थीं।

लालू प्रसाद की तबीयत अब भी नासाज अस्पताल से बाहर आकर बेटी रोहिणी ने कहा- दुआएं चाहिए

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सिंगापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी हालत अभी भी नासाज बनी हुई है। लालू यादव को किडनी देने वाली उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने ट्वीट कर बताया है कि वह अस्पताल से बाहर आ गई हैं। लेकिन उनके पिता की हालत अभी भी नासाज बनी हुई है। रोहिणी आचार्य ने कहा कि उन्हें लोगों की दुआओं की जरूरत है। लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने बताया कि वह अस्पताल से डिस्चार्ज हो गई हैं। उन्होंने ट्वीट किया आज मैं आप लोगों की दुआओं और आशीर्वाद से हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होकर घर आ गई। मगर पापा अभी भी हॉस्पिटल में है और उनकी तबीयत कुछ नासाज बनी हुई है। बस आप लोगों की दुआओं की शक्ति चाहिए कि पापा भी जल्द से जल्द ठीक होकर आपके बीच आपके अधिकार की खातिर आवाज बुलंद कर सकें। उल्लेखनीय है कि लालू प्रसाद यादव का पांच दिसंबर को सिंगापुर के माउंट एलिजाबेथ अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट ऑपरेशन हुआ था जो सफल रहा है। लालू प्रसाद के ऑपरेशन पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर बताया था कि उनके पिता की और डोनर रोहिणी आचार्य दोनों स्वस्थ हैं। लालू यादव काफी समय से बीमार चल रहे हैं। तेजस्वी अब सिंगापुर से पटना लौट आए हैं।

ई-शॉपिंग साइट के हेल्पलाइन नंबर पर किया कॉल हो गया लाखों का फ्रॉड

मुंबई। इन दिनों ऑन लाइन फ्रॉड के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। एक बार फिर मुंबई में एक ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड का मामला सामने आया है। खबर है कि एक 56 साल के शख्स ने एक ई-शॉपिंग साइट में ऑफर देखकर दो टी-शर्ट खरीदने के लिए ऑर्डर दिया था। जब डिलिवरी हुई तो उसे दो टी-शर्ट मिले जबकि ऑफर के मुताबिक दो टीशर्ट खरीदने पर एक टीशर्ट फ्री में मिलना था। इसके बाद जब संबंधित शख्स ने वेबसाइट सर्च कर उसका हेल्पलाइन नंबर ढूंढ निकाला तो उस हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने के बाद जिसने फोन उठाया उसने 'एनी डेस्क' ऐप डाउनलोड करने को कहा। ऐसा करने के बाद उसके अकाउंट से 3 लाख 50 हजार रुपए गायब हो गए। पीड़ित शख्स ने एक घंटे के भीतर ही पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। यह घटना शुक्रवार 9 दिसंबर को हुई थी। लेकिन पैसे अब तक नहीं मिल पाए हैं। टी शर्ट लौटाने के लिए ई-शॉपिंग के पोर्टल के हेल्प लाइन में जाने के बाद यह शख्स साइबर ठगी का बुरी तरह से शिकार हुआ। पुलिस द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक शिकायतकर्ता इमिटेशन ज्वेलरी के बिजनेस में हैं। वे लाइम रोड के उस ई-शॉपिंग से जुड़े हेल्पलाइन नंबर को खोजने के लिए इंटरनेट ब्राउजिंग कर रहे थे जहां से उन्होंने ऑफर में दो टीशर्ट खरीदी थी। ऑफर के मुताबिक डिलिवरी नहीं हुई थी। इसीलिए पिछले हफ्ते खरीदी गई टीशर्ट वे लौटाना चाह रहे थे लेकिन वे फ्रॉड का शिकार हो गए।

- ऐसे ठगे गए ऑनलाइन के जरिए 3 लाख 50 हजार रुपए

9 दिसंबर को मुंबई के मलाड के कुरार पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के मुताबिक शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा है कि शुक्रवार को जब उन्हें डिलिवरी में सिर्फ दो टी शर्ट मिले तो उन्होंने ऑर्डर कैंसल करने का फैसला किया। उन्होंने फिर इंटरनेट में सर्च कर खोजे गए कस्टमर केयर के नंबर पर कॉल लगाया। कॉल उठाने वाले ने अपना परिचय खुद को लाइम रोड का एग्जिक्यूटिव के तौर पर दिया। उसने उन्हें एनी डेस्क अप्लिकेशन इंस्टॉल करने को कहा। यह एक थर्ड पार्टी अप्लिकेशन है जो एक दूसरे शख्स को आपके मोबाइल की गतिविधियों को जानने में मदद करता है। इसके बाद आरोपी ठग ने शिकायतकर्ता को एक छोटा अमाउंट अपने ई-वॉलेट से भेजने को कहा। शिकायतकर्ता ने अपने बैंक डिटेल को पंच कर फोन पे अकाउंट से उसे पैसे भेजे। आरोपी ने इस दौरान शिकायतकर्ता के बैंक डिटेल को देख लिया और देखते ही देखते उसने चार ट्रांजेक्शन करते हुए 3 लाख 50 हजार रुपए उनके अकाउंट से उड़ा लिया। जब शिकायतकर्ता को पैसे निकलने का मैसेज आया तो उन्हें समझ में आ गया कि वे ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हो चुके हैं।

गोवा को इस सत्र में पर्यटकों की आवाजाही महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद : खुंटे

पणजी। गोवा सरकार को चालू सीजन में पर्यटकों की आवाजाही महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। महामारी से पहले 2019 में गोवा में 81 लाख पर्यटक आए थे। राज्य के पर्यटन मंत्री रोहन खुंटे ने मंगलवार को कहा कि उत्तरी गोवा में मनोहर परिकर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के उद्घाटन से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। गोवा में पर्यटन का सीजन आमतौर पर नवंबर में शुरू होता है और फरवरी तक चलता है। उन्होंने कहा राज्य सरकार के अनुमान के अनुसार पर्यटकों की संख्या वर्ष 2019 के स्तर तक पहुंच जाएगी। यानी इस सत्र में पर्यटकों की आवाजाही 81 लाख के आसपास रहेगी। पिछले दो साल में कोरोना वायरस महामारी के कारण गोवा में पर्यटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वर्ष 2019 में इस समुद्र तटीय राज्य में नौ लाख अंतरराष्ट्रीय पर्यटक और 72 लाख घरेलू पर्यटक आए थे। उन्होंने कहा कि राज्य के दूसरे हवाईअड्डे मनोहर परिकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन और जर्मनी अमेरिका ब्रिटेन जैसे नए बाजारों (जहां ई-वीजा की सुविधा उपलब्ध कराई गई है) के खुलने से पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। खुंटे ने कहा कि पर्यटन विभाग ने 'होम स्टे' नीति जैसी कई नई पहल शुरू की हैं जो इस क्षेत्र को प्रोत्साहित करेंगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मदद करेंगी।

संसद पर आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को लोकसभा-राज्यसभा ने दी श्रद्धांजलि

मुंबई (एजेंसी)। नयी दिल्ली। संसद के दोनों सदनों ने 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले के शहीदों को मंगलवार को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराया। दोनों सदनों के सदस्यों ने कुछ पल मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। लोकसभा की कार्यवाही आरंभ होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, ''हम उस घटना का दुखद स्मरण करते हैं जब संसद पर कायरतापूर्ण हमला हुआ था। हम उन जवानों की वीरता का भी स्मरण करते हैं जिन्होंने इस हमले को विफल कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''हम संसद सुरक्षा सेवा, दिल्ली पुलिस, केंद्रीय पुलिस बल के रिजर्व बल के शहीद आठ जवानों को सर्वोच्च बलिदान का भी स्मरण करते हैं।

यह सभा शहीदों को श्रद्धांजलि देती है और उनके परिवारों के साथ खड़ी है।'' बिरला ने कहा, ''इस अवसर पर हम आतंकवाद सामना करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं तथा अपने देश की राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा की शपथ को भी दोहराते हैं।'' उधर, राज्यसभा की कार्यवाही कार्यवाही शुरू होते ही उपसभापति हरिवंश ने कहा कि 13 दिसंबर को स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे खराब दिन के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 21 साल पहले 2001 में आतंकवादियों ने लोकतंत्र के इस मंदिर पर हमला कर दिया था लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने वीरता और बहादुरी का परिचय देते हुए संसद की रक्षा की और हमारे देश की आत्मा पर हमला करने के आतंकवादियों के दुस्साहसिक प्रयास को विफल कर दिया।

उपसभापति ने कहा, ''तब से इस दिन, हम न केवल इस कायरतापूर्ण कृत्य में शहीद हुए लोगों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त करते हैं, बल्कि आतंकवाद के सभी रूपों की अपनी स्पष्ट निंदा को भी दोहराते हैं।'' उन्होंने कहा कि आतंकवाद हर जगह सभी लोगों के लिए खतरा है और वह शांति एवं सुरक्षा को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के सभी कृत्य आपराधिक, अमानवीय और अनुचित हैं और आतंकवाद पर देश के अंतरराष्ट्रीय रुख में यह आह्वान भी किया गया है कि इसे बुरे या अच्छे के रूप में वर्गीकृत करने पर रोक लगनी चाहिए।

हरिवंश ने यह भी कहा, ''आतंकवाद का साया अभी भी मानवता को परेशान करता है और पिछले कुछ वर्षों में आतंकवादी खतरों ने एक घातक चरित्र ग्रहण कर लिया है, जिससे दुनिया भर के देशों के लिए इस खतरे से निपटना मुश्किल हो गया है।'' गौरतलब है कि 13 दिसंबर 2001 को लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने संसद पर हमला किया था। इस हमले में आतंकवादियों का मुकाबला करते हुए दिल्ली पुलिस के पांच जवान, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक महिला कर्मी और संसद के दो कर्मी शहीद हुए थे। एक कर्मचारी और एक फोटो पत्रकार की भी हमले में मौत हो गई थी।

महुआ मोइत्रा ने मोदी सरकार पर हमला कर कहा ....अब पप्पू कौन है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की महिला सांसद महुआ मोइत्रा लोकसभा में मंगलवार को खूब गरजीं। महुआ के निशान पर थे केंद्र सरकार और उसके नेता। केंद्र के बजट अनुमानों से ज्यादा फंड्स की जरूरत बताने पर मोइत्रा ने कहा कि सरकार और सत्ताधारी पार्टी ने पप्पू शब्द का आविष्कार किया। आप इसका इस्तेमाल भयानक अक्षमता जताने के लिए करते हैं। इसके बाद मोइत्रा आंकड़ों के द्वारा समझाने लगीं कि असली पप्पू कौन है। जवाब में भाजपा सांसद जगदंबिका पॉल ने ऐसी बात कही कि सदन में हंगामा हो गया। पॉल ने प्रकिया समझाते हुए कहा कि अगर राज्य ऐसा करें तब ... उन्होंने एक शब्द का इस्तेमाल किया जिसपर विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे।

मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज और अर्थव्यवस्था के तमाम आंकड़े गिनाते हुए महुआ ने नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला किया। भारतीयों के नागरिकता छोड़ने के आंकड़े गिनाते हुए मोइत्रा ने पूछा कि क्या

ये स्वस्थ अर्थव्यवस्था के संकेत हैं? अब पप्पू कौन है? टीएमसी सांसद ने कहा कि देश में आतंक का माहौल है क्योंकि ज्यादा संपत्ति रखने वालों पर प्रवर्तन निदेशालय की तलवार लटक रही है। मोइत्रा ने आरोप लगाया कि बीजेपी करोड़ों में विधायक खरीदती है इसके बावजूद विपक्ष के 95 प्रतिशत सदस्य ईडी जांच का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सजा दिलाने का प्रतिशत केवल 0.5 प्रतिशत है। मोइत्रा ने अपने भाषण में बार-बार यही वाक्य दोहराया अब पप्पू कौन है?

मोइत्रा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान का भी हवाला दिया। बकौल मोइत्रा वित्त मंत्री ने कल हमारे बारे में कहा कि हम देश के दुश्मन हैं और हमारे भीतर जलन की भावना है। महुआ ने कहा कि सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है और जवाब देना उसका राजधर्म है। मोइत्रा ने कहा कि सीतारमण खिसियानी बिल्ली की तरह व्यवहार कर रही हैं।

अनुपूरक अनुदान की मांग पर चर्चा के दौरान बीजेपी की ओर से सांसद पॉल बोलने उठे। उन्होंने मोइत्रा के भाषण के संबंध में कहा कि यह तब प्रक्रिया है। बजट में हर सालभर का प्लान बनाते हैं बहुत सारी चीजों का हम पूर्वानुमान नहीं लगा सकते हैं। पॉल ने कहा कि अगर राज्य में सरकारें अनुपूरक अनुदान की मांग रखती हैं तब क्या ये कहा जाएगा उनके राज्य में कौन **** है जो इस तरह का बजट लेकर के आया है।

श्रद्धा हत्याकांड में दिल्ली पुलिस को इस हफ्ते मिल जाएगी नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुचर्चित श्रद्धा हत्याकांड में बताया जाता है कि फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री की ओर से इसी सप्ताह आफताब के नार्को टेस्ट और पॉलीग्राफ टेस्ट की रिपोर्ट दिल्ली पुलिस को सौंप दी जाएगी। रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में जांच और तेजी से आगे बढ़ सकेगी। इन दोनों टेस्ट में पूछे गए सवालों के जवाबों की लिस्ट भी दिल्ली पुलिस को दी जाएगी। सूत्र बताते हैं कि श्रद्धा हत्याकांड मामले में की जा रही जांच में आफताब की यह दोनों रिपोर्ट दिल्ली पुलिस के लिए काफी अहम होंगी। आफताब की पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट की रिपोर्ट श्रद्धा हत्याकांड की गुत्थी को सुलझाने के लिए पुलिस इन्वेस्टिगेशन में अहम रोल अदा कर सकती हैं। सूत्रों का कहना है कि इस हत्याकांड की जांच को लेकर कराए गए डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट भी आना बाकी है। डीएनए रिपोर्ट सीएफएसएल के पास से आएगी जिसके आधार पर अलग-अलग लोकेशन से मिली हड्डियां श्रद्धा के शव से जुड़ी हुई हैं या नहीं इसकी भी पहचान की जा सकेगी। बताते चलें कि दिल्ली पुलिस के अनुसार आफताब अमीन पूनावाला ने अपनी 'लिव-इन पार्टनर' श्रद्धा वालकर (27) की गत 18 मई की शाम को कथित तौर पर गला घोंट कर हत्या कर दी थी। आरोपी ने शव के टुकड़ों को दक्षिण दिल्ली के महरौली में अपने आवास पर लगभग तीन सप्ताह तक एक बड़े फ्रिज में रखा तथा बाद में उन्हें कई दिनों तक विभिन्न हिस्सों में फेंकता रहा। इस मामले में दिल्ली पुलिस के पूर्व आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने कहा था कि हत्या का यह छह महीनों पुराना मामला है और अपराध स्थल को साफ कर दिया गया है।

कांग्रेस ने राजीव गांधी फाउन्डेशन से जुड़े सवालों से बचने के लिए संसद में सीमा मुद्दा उठाया : अमित शाह

-गृहमंत्री ने कहा केंद्र में जब तक मोदी सरकार है कोई एक इंच जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि जब तक देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है तब तक कोई एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता। अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प की पृष्ठभूमि में उन्होंने यह बात कही। संसद में विपक्ष ने इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। शाह ने संसद भवन परिसर में कहा कि कांग्रेस ने राजीव गांधी फाउंडेशन के एफसीआरए (विदेशी अनुदान नियमन कानून) पंजीकरण को रद्द करने संबंधी प्रश्नों से बचने के लिए संसद में सीमा मुद्दे को उठाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से एक करोड़ 35 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ था जो एफसीआरए कानून और उसकी मर्यादाओं के अनुरूप नहीं था इसलिए इसका पंजीकरण रद्द कर दिया गया। गृह मंत्री ने कहा जवाहरलाल नेहरू के चीन प्रेम की वजह से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता छोड़ दी गयी। उन्होंने भारतीय सैनिकों की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए कहा मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है तब तक कोई हमारी एक इंच भी जमीन कब्जा नहीं सकता।

बिहार में होगा तेजस्वी 'राज', महागठबंधन की बैठक में नीतीश कुमार ने कर दिया बड़ा ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में हलचल पूरी तरीके से तेज है। बिहार में आज महागठबंधन विधानमंडल दल की बैठक हुई। इस बैठक में नीतीश कुमार ने आगे की रणनीति को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की ओर इशारा करते हुए साफ तौर पर कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में इन्हें ही आगे करना है। इसका मतलब साफ है कि नीतीश कुमार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के ही नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा। दरअसल, शीतकालीन सत्र से पहले नीतीश कुमार ने यह बैठक की है। नीतीश कुमार के इस ऐलान से यह तो साफ हो गया कि अब 2025 की राजनीति में नीतीश कुमार तेजस्वी को आगे करने वाले हैं।

पिछले कई दिनों से इस बात की संभावनाएं लगातार जताई जा रहे थी कि नीतीश कुमार तेजस्वी यादव को अपने उत्तराधिकारी के तौर पर देखने लगे

हैं। तभी नीतीश कुमार की ओर से बार-बार उन्हें ही आगे करने के बाद कहीं जाती थी। ऐसे में नीतीश कुमार ने अब साफ कर दिया है कि 2025 के चुनाव में अब तेजस्वी यादव ही महागठबंधन को लीड करेंगे। इसके साथ ही नीतीश कुमार ने खुद को लेकर भी साफ तौर पर कहा कि ना वह अब सीएम उम्मीदवार बनना चाहते हैं और ना ही प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मकसद आप सिर्फ भाजपा को हराना है ताकि बिहार के साथ-साथ कई राज्यों का विकास हो सके।

इस बैठक में तेजस्वी यादव के अलावा नीतीश कुमार के बेहद करीबी विजय कुमार चौधरी भी मौजूद रहे। इस बैठक में महागठबंधन में शामिल सभी 7 दलों के नेता भी मौजूद रहे। इस दौरान नीतीश कुमार ने महागठबंधन के नेताओं को भी साफ तौर पर कह दिया कि शराबबंदी को लेकर कुछ भी बयान ना दे, सब के समर्थन से ही बिहार में शराबबंदी की गई है। फिलहाल जदयू की नजर 2024 के लोकसभा चुनाव पर है। जदयू की ओर से नीतीश कुमार को केंद्र की राजनीति में आगे बढ़ाने को लेकर मंथन शुरू किया जा चुका है। बिहार में महागठबंधन की सरकार में 7 दल शामिल हैं। लेकिन कांग्रेस को छोड़कर बाकी सभी नीतीश कुमार को ही प्रधानमंत्री मटेरियल मानते हैं। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार ने अपने आगे की राजनीति के लिए पूरा प्लान फिक्स कर लिया है।

ठाकरे गुट ने की सुप्रीम कोर्ट में सात न्यायाधीशों की पीठ गठित करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के गुट ने मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय से नबाम रेबिया मामले में फैसले को सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ को भेजने की मांग की। ठाकरे गुट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश डी. वाई.चंद्रचूड़ के अध्यक्षता में पांच न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष पेश हुए और नबाम रेबिया के फैसले (2016) को सात-न्यायाधीशों की पीठ को भेजने की मांग की।हालांकि पीठ में शामिल जस्टिस एम.आर.शाह कृष्ण मुरारी हिमा कोहली और पी.एस. नरसिम्हा ने कहा कि यह पांच-न्यायाधीशों की पीठ द्वारा तय होगा और इस बारे में दलीलें दी जा सकती हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने अधिवक्ता अभिकल्प प्रताप सिंह की सहायता से एकनाथ शिंदे के समूह का प्रतिनिधित्व किया जबकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केवल कानून के सवाल पर अदालत की सहायता के लिए राज्यपाल का प्रतिनिधित्व किया। वरिष्ठ वकील सिब्बल ने कहा कि जब मामले पर सुनवाई होगी तब वह मामले को सात न्यायाधीशों की पीठ को भेजने पर बहस करुंगा। पीठ ने दोनों पक्षों से मुद्दों पर एक संक्षिप्त नोट तैयार कर अदालत में जमा करने को कहा। संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 10 जनवरी निर्धारित की। अगस्त 2022 में सुप्रीम कोर्ट की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के गुटों द्वारा दलबदल विलय और अयोग्यता से संबंधित प्रश्नों पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने अपने आदेश में पहला मुद्दा तैयार किया था कि क्या स्पीकर को हटाने का नोटिस उन्हें संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता की कार्यवाही जारी रखने से रोकता है जैसा कि इस अदालत ने नेबाम राबिया (पांच जजों की बेंच द्वारा) मामले में किया था।

5 साल में 3 बार ड्रैगन की हुई हार, तवांग से पहले गलवान और डोकलाम में भी चीन ने टेक दिए थे घुटने

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की तरफ से एलएसी पर एक बार फिर से हिमाकत की कोशिश की गई, जिसका उसे माकूल जवाब भी मिला। इस बार अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की, जिसे भारतीय जवानों ने खदेड़ दिया। वैसे आपको बता दें कि अरुणाचल प्रदेश का विवाद पहली बार सामने नहीं आया है। तवांग सीमा विवाद काफी पुराना है। 90 हजार वर्ग किलोमीटर पर चीन की तरफ से दावा किया जाता है। सीमा पर चीन की तरफ से इंफ्रास्ट्रक्चर बहुत ही तेजी से डेवलप किया जा रहा है। चीन सीमा पर सड़क, रेल, एयर कनेक्टिविटी बढ़ाई है और एलएसी के पास अरुणाचल प्रदेश की तरफ चीन ने बुलेट ट्रेन तक पहुंचा दी है और गांव भी बसा दी है। चीन ने 5जी नेटवर्क भी चालू कर दिया गया है। भारत की तरफ से भी बहुत तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप किए हैं। बीआरओ ने बहुत तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट किए हैं, जो चीन को नहीं भा रहा है। चीन भारत को प्रेशर में रखना चाहता है और उसे लगता है कि भारत का वर्चस्व इस इलाके में बढ़ता जा रहा है। पिछले पांच सालों यानी 2017 के डोकलाम विवाद से लेकर अभी के तवांग तक देखें तो तीन ऐसे मौके आएं जब चीन के नापाक इरादे में जिनपिंग की सेना को मुंह की खानी पड़ी है।

2017 का डोकलाम विवाद

भूटान के पठार में स्थित डोकलाम को लेकर भारत और चीन के बीच साल 2017 में विवाद देखने को मिला। दरअसल, भारत व भूटान के बीच सुरक्षा मामलों को लेकर संधि की गई थी, जिसके तहत विदेशी हमले की सूरत में दोनों एक दूसरे का सहयोग करने की बात कही गई है। डोकलाम विवाद की शुरुआत 16 जून, 2017 को उस वक्त हुई थी जब भारतीय सैनिकों ने चीन की पीएलए के सैनिकों को इस इलाके में सड़क निर्माण करने से रोका था। चीन जिस क्षेत्र में सड़क निर्माण कर रहा था, वह भूटान का इलाका है। इस दौरान दबाव बढ़ाने के लिए भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन का बहिष्कार किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर चीन की काफी किरकिरी भी हुई। लिहाजा चीन के लिए इस विवाद को सुलझाना बड़ी चुनौती बन गई थी। वहीं इसको लेकर जापान और अमेरिका ने भी भारत का साथ दिया था। कई दौर की वार्ता के बाद 28 अगस्?त 2017 को चीन के साथ भारत ने भी अपनी-अपनी सेनाओं को पीछे हटाने का फैसला किया।

गलवान की हिंसक झड़प

15-16 जून की रात को भारतीय सेना के जवानों पर चीन के जवानों ने लोहे की रॉड में लगे कटीले तारों से हमला कर दिया था। इस हिंसक झड़प में भारतीय सेना के कर्नल समेत 20 जवान शहीद हो गए

थे। तब से लेकर 7 जून तक सीमा पर काफी तनाव था। 10 महीने बाद दोनों देशों के बीच अपनी सेनाओं को पीछे हटाने को लेकर सहमति बनी।

क्या है अरुणाचल विवाद

चीन के साथ भारत की 3488 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। ये सीमा ईस्टर्न, मिडिल, और वेस्टर्न तीन सेक्टर्स में बंटी हुई है। चीन अरुणाचल प्रदेश के 90 हजार वर्ग किमी के हिस्से पर अपना दावा करता है। जबकि, लद्दाख का करीब 38 हजार वर्ग किमी का हिस्सा चीन के कब्जे में है। इसके अलावा 2 मार्च 1963 को हुए एक समझौते में पाकिस्तान ने पीओके की 5,180 वर्ग किमी जमीन चीन को दे दी थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत क्राइम ब्रांच ने संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान भेजने वाले शख्स को किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान की खुफिया एजंसी आईएसआई के एजंट को भारत की संवेदनशील जानकारी पहुंचाने वाले शख्स को सूरत क्राइम ब्रांच ने शहर के डिंडोली क्षेत्र से दबोच लिया है।गिरफ्तार शख्स रूपयों की लालच में भारत की गुप्त जानकारियां और सिम कार्ड आईएसआई को भेजता था। सूरत क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि शहर के डिंडोली क्षेत्र में रहनेवाला 32 वर्षीय दीपक सालुंके पाकिस्तानी खुफिया एजंसी आईएसआई के एजंट के संपर्क था। दीपक सालुंके भारतीय सिमकार्ड और देश की खुफिया जानकारी सोशल मीडिया के जरिए आईएसआई एजंट हामिद नामक शख्स को भेजता था। सूरत पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने पत्रकार परिषद में बताया कि पाकिस्तानी शख्स हामिद द्वारा फेसबुक पर पूनम शर्मा के नाम से एकाउंट बनाया गया था। इस एकाउंट के जरिए दीपक सालुंके उसके संपर्क में आया था। फेसबुक पर चेटिंग के दौरान हामिद ने दीपक को बताया कि वह पाकिस्तानी खुफिया एजंसी आईएसआई के लिए काम करता है और उसे भारतीय सिमकार्ड की जरूरत है। हामिद ने दीपक सालुंके को भारतीय सेना की कुछ गुप्त जानकारियां देने की मांग की थी। पुलिस की पूछताछ में दीपक ने बताया कि वह यूट्यूब और गूगल के जरिए फोटो डाउनलोड कर हामिद को भेजता था। कोरोनाकाल से पहले दीपक साइ फैशन नामक कपडे की दुकान चलाता था। लेकिन कोरोनाकाल में नुकसान होने के बाद उसने मनी ट्रांसफर का धंधा शुरू कर दिया। सूरत के डिंडोली क्षेत्र से मनी ट्रांसफर का धंधा करने वाले दीपक सालुंके के एकाउंट की जांच में पाकिस्तान से ट्रांसफर हुए 75 हजार रूपए का रिकार्ड पुलिस को मिला है।

सूरत पुलिस ने दीपक के खिलाफ 121ए और 120बी के तहत राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के तहत मामला कर वह अन्य कितने एजंटों के संपर्क था इस दिशा में जांच शुरू की है। साथ ही सूरत पुलिस ने अन्य जांच एजंसियों से संपर्क कर पूरी घटना से अवगत करा दिया है।

मुख्यमंत्री ने शुभ मुहूर्त में 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की कामना के साथ संभाला कार्यभार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विधानसभा चुनावों में प्रचंड जनसमर्थन हासिल करने के बाद मंगलवार 13 दिसंबर की सुबह शुभ मुहूर्त में लगातार दूसरी बार विधिवत तरीके से मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला। भूपेंद्र पटेल ने मुख्यमंत्री कार्यालय में सीमंधर स्वामी की मूर्ति तथा पूज्य दादा भगवान के श्रीचरणों में भावपुष्प अर्पित कर आज से राज्य का जनसेवा दायित्व संभाला है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ राज्य मंत्रिमंडल के नवनियुक्त मंत्री भी पूजा-अर्चना में सहभागी बने। मुख्यमंत्री के रूप में भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में समग्र मंत्रिमंडल ने 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की कामना तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए ध्येय मंत्र 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास' के साथ आज मंगलवार 13 दिसंबर से ही अपना पदभार संभाल लिया है। मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त मंत्रियों को शुभकामनाएं दी और यह मंगलकामना व्यक्त की कि राज्य के उत्तरोत्तर एवं अविरत विकास में उनका योगदान मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ राज्य मंत्रिमंडल के सभी मंत्री भी पूजा-अर्चना में बने सहभागी

चलती बस में ड्राइवर को दिल का दौरा पड़ा तीन वाहनों को कुचला ड्राइवर की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भावनगर,सूरत से आ रही निजी ट्रावेल्स कंपनी के ड्राइवर को चलती बस में दिल का दौरा पड़ा और बस बेलगाम होकर तीन वाहनों को कुचलते हुए मारुति सुजुकी के शो रूम में घुस गई।

बस के ड्राइवर ने स्टेयरिंग पर ही दम तोड़ दिया। राहत की बात है कि बस के ड्राइवर को छोड़ अन्य कोई जानहानि नहीं हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक रंग अवधूत ट्रावेल्स की बस सूरत से यात्रियों को लेकर आज भावनगर पहुंची थी।

भावनगर के देसाईनगर क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप के निकट बस के ड्राइवर को दिल का दौरा पड़ गया। चलती बस में दिल का दौरा पड़ने से ड्राइवर स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और बेलगाम बस तीन वाहनों को चपेट में लेते हुए मारुति सुजुकी कार के शो रूम में घुस गई।

इस घटना से बस में सवार यात्रियों समेत आसपास मौजूद लोगों को अफरातफरी मच गई। सुबह का वक्त होने से लोगों की आवाजाही कम थी जिसकी वजह से बड़ी जानहानि टल गई।

लेकिन अन्य वाहन और बस समेत शो रूम को बड़ा नुकसान हुआ है। इस घटना में ड्राइवर की बस में ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने बस के ड्राइवर के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज मामले की जांच शुरूकी।

गुजरात में शर्मनाक हार के बाद कांग्रेस में मचा घमासान रघु देसाई ने खडगे को लिखा पत्र

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव में शर्मनाक हार के बाद अब प्रदेश कांग्रेस में घमासान शुरू हो गया है। पाटण जिले की राधनपुर सीट से चुनाव में हार के लिए कांग्रेस उम्मीदवार रघु देसाई ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के को पत्र लिखकर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर को सस्पैंड करने की मांग की है। रघु देसाई ने खडगे के साथ ही सोनिया गांधी राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी पत्र लिखा है। जिसमें रघु देसाई ने अपनी हार के लिए कांग्रेस नेताओं के जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है। रघु देसाई ने आरोप लगाया है कि उन्हें हराने के लिए जगदीश ठाकोर ने लोगों ने पूरा प्रयास किया। रघु देसाई ने कहा कि इस संदर्भ में मैंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे से फोन पर भी बात की थी। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा से इस बारे में शिकायत की थी इसके बावजूद जगदीश ठाकोर के लोग मुझे हराने में लगे रहे। गौरतलब है राधनपुर विधानसभा सीट पर इस बार 11 उम्मीदवार मैदान में थे। जिसमें मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच था। कांग्रेस ने रघु देसाई को तो भाजपा ने लविंगजी ठाकोर को मैदान में उतारा था। जबकि आम आदमी पार्टी ने लालजी ठाकोर को टिकट दिया था। राधनपुर में भाजपा के लविंगजी ठाकोर चुनाव जीत गए।

गैस सिलिंडर फटने से एक साल के बच्चे की मौत परिवार के 3 लोग बुरी तरह जखमी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,नवसारी में रसोई बनाते समय गैस सिलिंडर फटने से परिवार के चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। जिसमें एक वर्ष के बच्चे की मौत हो गई। जबकि परिवार के 3 सदस्यों का सूरत के सिविल अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना नवसारी जिले के बिलिमोरा शहर की है। बिलिमोरा निवासी एक परिवार के घर में रसोई बन रही थी। उस वक्तअचानक गैस सिलिंडर में धमाका हो गया और वहां मौजूद बच्चे समेत परिवार के चार सदस्य बुरी तरह झुलस गए। घायलों को पहले बिलिमोरा के निजी अस्पताल में और उसके बाद वलसाड के सिविल अस्पताल पहुंचागया। जहां 1 साल के बच्चे की उपचार के दौरान मौत हो गई। बुरी तरह से घायल परिवार के तीन सदस्यों को वलसाड के बाद सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

19 दिसंबर को विधायकों का शपतथ ग्रहण 20 दिसंबर को होगा विधानसभा का एक दिवसीय सत्र

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,गुजरात में नई सरकार के गठन के बाद अब नवनिर्वाचित सदस्य आगामी 19 दिसंबर को शपथ ग्रहण करेंगे। बता दें कि गुजरात विधानसभा के चुनाव में भाजपा ने 156 सीटों पर रिकार्ड जीत दर्ज की है। जबकि कांग्रेस केवल 17 सीटों से संतोष करना पड़ा है। आम आदमी पार्टी ने 5 और 4 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत हुई है। 19 दिसंबर को शपथ ग्रहण करेंगे। आमतौर पर सबसे वरिष्ठ विधायक नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ ग्रहण करवाता है। वडोदरा के योगेश पटेल सबसे वरिष्ठ हैं। माना जा रहा है कि योगेश पटेल बतौर प्रोटेम स्पीकर नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलवाएंगे। जिसके पश्चात 20 दिसंबर गुजरात विधानसभा का एक दिवसीय सत्र होगा। एक दिवसीय सत्र में विधानसभा का नया अध्यक्ष चुना जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष के तौर शंकर चौधरी रमण वोरा और गणपत वसावा का नाम चर्चा में है। जिसमें सबसे आगे शंकर चौधरी का नाम है। वहीं विधानसभा के उपाध्यक्ष के तौर पर जेठा भरवाड का नाम चर्चा में है। आगामी 19 और 20 दिसंबर को सभी नवनिर्वाचित विधायक गांधीनगर में ही रहेंगे।

पीएम मोदी ने महर्षि अरविंद की 150 वीं जयंति पर उनके सम्मान में डाक टिकट और सिक्के जारी किए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल महर्षि अरविंद की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किए गए संबोधन के दौरान गांधीनगर से वर्चुअली सहभागी हुए।

इस अवसर पर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में विचारशील नेतृत्व एवं देश की स्वतंत्रता के लिए अरविंद की भूमिका की स्मृति में प्रधानमंत्री की उपस्थिति में डाक टिकट तथा स्मृति सिक्के का विमोचन भी किया गया। केन्द्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को महर्षि अरविंद के 150वें जयंती उत्सव को लेकर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्य के रूप में इस समारोह में उपस्थित रहने का निमंत्रण दिया था। पटेल ने इस निमंत्रण को स्वीकार कर गांधीनगर स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय से वर्चुअली इस समारोह में भाग लिया।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्र्द पटेल गांधीनगर से वर्चुअली कार्यक्रम में सहभागी हुए

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री के. कैलाशनाथन और युवक सेवा सांस्कृतिक गतिविधियाँ तथा खेल-कूद विभाग के प्रधान सचिव श्री अश्वनी कुमार भी उपस्थित थे। यहाँ उल्लेख करना आवश्यक है कि महर्षि अरविंद वर्ष 1893 से 1906 अर्थात् लगभग 13 वर्षों तक गुजरात के वडोदरा में रहे थे। इस संदर्भ में राज्य सरकार ने भी अरविंद के 150वें जयंती उत्सव के राज्यव्यापी आयोजन के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। इतना ही नहीं राज्य सरकार के युवक सेवा सांस्कृतिक गतिविधियाँ और खेल-कूद विभाग द्वारा इस उत्सव से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम जनसहभागिता से आयोजित करने की विस्तृत कार्ययोजना भी बनाई गई है।

साबरमती रेलवे स्टेशन पर रिडवलपमेंट मॉडल को केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने खूब सराहा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के साबरमती (धर्मनगर साइड) रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जाना सुनिश्चित किया गया है। जिसका मॉडल साबरमती रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर लगाया गया है। आज दिनांक 13 दिसंबर 2022 को केंद्रीय विद्यालय साबरमती के 40-50 खरपीध–खरपीधर साबरमती रेलवे स्टेशन की विज़िट पर आये जिसमें सभी छात्रों द्वारा रिडवलपमेंट मॉडल को देखा तथा उसकी बहुत सराहना की। यात्रियों के लिए सभी सुविधाएं जैसे टिकट रिटेन के लिए जगह हेल्प डेस्क सूचना बूथ क्लॉक रूम बेबी चेंजिंग रूम वीआईपी रूम/लाउंज रेलवे कार्यालय टीटी रिटायरिंग रूम पर्यटक सूचना आदि उपलब्ध कराई जाएंगी। साबरमती(धर्मनगर) और साबरमती(रानिप) दोनों स्टेशनों पर सड़क ड्रॉप-ऑफ पिक-अप पार्किंग बेंच साइनेज लाइटिंग साइट ड्रेनेज और लैंडस्केपिंग आदि सहित बाहरी विकास प्रदान किया जाएगा। साबरमती स्टेशन के आसपास के सभी परिवहन साधनों का एकीकरण करने के लिए स्टेशन को इस तरह से पुनर्विकास किया जा रहा है। कि यह स्काईवॉक के माध्यम से एनएचएसआरसीएल स्टेशन हब और साबरमती और एईसी मेट्रो बीआरटीएस एएमटीएस से जुड़ा होगा। यह परिवहन के सभी साधनों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए सुगम इंटरचेंज बनाएगा। साबरमती रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाओं युक्त बनाया जाएगा यह देखकर सभी छात्र – छात्राएं बहुत अभिभूत हुए।

तीसरी मंझिल से गिरकर पांच साल की बच्ची की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के पांडेसरा क्षेत्र में तीसरी मंझिल से गिरी 5 वर्ष की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। एम्ब्युलैंस 108 से बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पांडेसरा पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के भगवतीनगर में उदयराम चंद्रवंशी परिवार के साथ रहते हैं। मजदूरी कर जीवनयापन करने वाले उदयराम की 5 वर्षीय बेटी आकृति चंद्रवंशी अपने घर में खेल रही थी। खेलते खेलते तीसरी मंझिल की बाल्कनी से जमीन पर जा गिरी। बच्ची के गिरने पर आसपास के लोगों की चीख पुकार सुनकर उदयराम समेत उनकी पत्नी नीचे की ओर दौड़ पड़े। तीसरी मंझिल से गिरी आकृति गंभीर रूप से घायल हो गई थी। आकृति को एम्ब्युलैंस 108 से सूरत के नए सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान आकृति की मौत हो गई। सूरत की पांडेसरा पुलिस ने दुर्घटना मौत का केस दर्ज कर जांच शुरूकी है।

पीएम मोदी आज अहमदाबाद में प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव का उदघाटन करेंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद के ओगणज में 15 दिसंबर से प्रमुख स्वामी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव का प्रारंभ होगा। इस महोत्सव में देश विदेश से लाखों लोगों के आने की संभावना। सामान्य लोगों के लिए महोत्सव 15 दिसंबर से खुलेगा। उससे पहले कल यानी 14 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जन्म शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ करेगा। बुधवार की शाम पीएम मोदी अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सीधे ओगणज जाएंगे। ओगणज में बनाए गए प्रमुख स्वामी महाराज नगर में बीएपीएस के प्रमुख महंत स्वामी की उपस्थिति में 5.30 बजे महोत्सव का उदघाटन करेंगे। 30 दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में भारत समेत दुनिया के कई देशों से लाखों लोग आएंगे। प्रमुख स्वामी महाराज के जीवन कार्य और संदेश को केन्द्र में रखकर प्रत्येक दिन के विभिन्न विषय निर्धारित किए गए हैं। इसकेअलावा रोज मध्याह्न को अलग अलग महिला कार्यक्रम सुबह विभिन्न विषयों पर एकेडेमिक कांफ्रेंस और एसोसिएशन की कांफ्रेंस जैसे कार्यक्रम होंगे। 30 दिन के कार्यक्रमों में 14 दिसंबर को प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव का उदघाटन होगा। 15 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय मानव उत्कर्ष सम्मेलन का उदघाटन होगा। 16 दिसंबर को संस्कृति दिन 17 दिसंबर को पराभक्ति दिन 18 दिसंबर को मंदिर गौरव दिन 19 दिसंबर को गुरुभक्ति दिन 20 दिसंबर को संवादिता दिन 21 दिसंबर को समरसता दिन 22 दिसंबर को आदिवासी गौरव दिन 23 दिसंबर को अध्यात्म और स्वास्थ्य दिन 24 दिसंबर को व्यसन मुक्ति जीवन परिवर्तन दिन 25 दिसंबर को राष्ट्रीय सम्मेलन 26 दिसंबर को स्वामीनारायणीय संत साहित्य लोकसाहित्य दिन 27 दिसंबर को विचरण स्मृति दिन 28 दिसंबर को सेवा दिन 29 दिसंबर को पारिवारिक एकता दिन 30 दिसंबर को संस्कार एवं शिक्षा दिन 31 दिसंबर को दर्शन शास्त्र दिन 1 जनवरी 2023 को बाल युवा कीर्तन आराधना 2 जनवरी को बाल संस्कार दिन 3 जनवरी को युवा संस्कार दिन 4 जनवरी को गुजरात गौरव दिन 5 जनवरी को महिला दिन 6 जनवरी को बीएपीएस खाडी देश दिन 7 जनवरी बीएपीएस नोर्थ अमेरिका दिन 8 जवरी को बीएपीएस यूके-यूरोप दिन 9 जनवरी को बीएपीएस आफ्रीका दिन 10 जनवरी को महिला दिन 11 जनवरी को बीएपीएस एशिया पेसिफिक दिन 12 जनवरी को अक्षरधाम दिन 13 जनवरी को संत कीर्तन आराधना और 15 जनवरी को प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव मनाया जाएगा।